रोहतक
रविवार, 24 दिसंबर, 2023
मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी वर्ष : 27, अंक : 332
पृष्ठ 14 मूल्य 3 .00

मौसम
अधि. 21.5
न्यून. 5.3

आमंत्रण मूल्य ₹ 3.00/-

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

गुरुग्राम। ठंड ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। पारा लगातार गिर रहा है। फोटो में सर्दी से बचने का प्रयास कर रही महिलाएं।

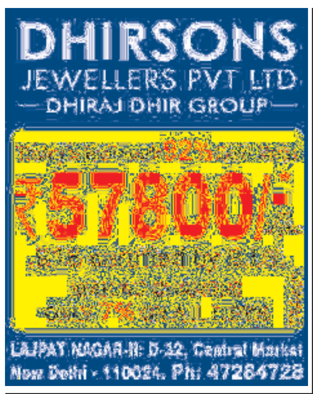

दिल्ली में अब दवा घोटाला! सरकारी अस्पतालों में मिल रही 'नकली' दवाएं

लोगों के जीवन से खिलवाड़, जांच में 10 नमूने फेल

नई दिल्ली (भाषा)। देश की राजधानी दिल्ली में अब दवा घोटाले का दावा किया जा रहा है। यह दावा दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय ने किया है। एलजी दफ्तर ने कहा कि अस्पताल में जांचे गए 10% नमूने फेल साबित हुए हैं। इस मामले का खुलासा होने के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में 'गुणवत्ता मानक परीक्षणों में विफल' और 'जीवन को खतरे में डालने की क्षमता' वाली दवाओं की कथित आपूर्ति की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की सिफारिश की है। एलजी दफ्तर के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। घटनाक्रम पर, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पदभार संभालने के बाद उन्होंने खरीदी गई दवाओं के ऑडिट का निर्देश दिया था, लेकिन स्वास्थ्य सचिव ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने नौकरशाह और अन्य संबंधित अधिकारियों को निलंबित करने की भी मांग की।

उप राज्यपाल ने की सीबीआई जांच की सिफारिश

भाजपा का हमला
सीएम केजरीवाल ही इसके व्यापारी
दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ को बर्खास्त करें
आप सरकार का नकलीपन सामने आया

किसने क्या कहा

मनोज तिवारी-वीरेंद्र सचदेवा : दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल नकली दवाओं के व्यापारी हैं। उनका सब कुछ नकली है। आप के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। ये पार्टी पैसे की भूखी है। स्वास्थ्य मंत्री को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए।

सौरभ भारद्वाज : मैंने स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालते ही दवाओं के ऑडिट का निर्देश दिया था, लेकिन स्वास्थ्य सचिव ने कार्रवाई नहीं की। नौकरशाह और अन्य संबंधित अधिकारियों को निलंबित किया जाए।

भ्रष्टाचार में फंसी आप : इस समय केजरीवाल को ईडी दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए तीन बार समन जारी कर चुकी है। वहीं, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राज्यसभा सांसद संजय सिंह जैसे नेता शराब घोटाले व धनशोधन के मामले में जेल में हैं।

एलजी सख्त
लाखों मरीजों को दी जा चुकी दवाएं
लैब में 43 सैंपल भेजे थे, नकली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों पर कार्रवाई होगी

उपराज्यपाल की मुख्य सचिव को चिट्ठी

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी में कहा है कि ये नकली दवाएं दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में लाखों मरीजों को दी जा रही हैं और शायद मोहल्ला क्लीनिक्स में भी बांटी जा रही है। उन्होंने दावा किया दूसरे राज्यों के सप्लायर और मैन्युफैक्सरर भी इस धांधली में शामिल हैं। सक्सेना ने विजिलेंस डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि सरकारी लैबोरेटरी में जो 43 सैंपल भेजे गए थे, उनमें से तीन सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं, जबकि 12 रिपोर्ट अभी आनी बाकी हैं। प्राइवेट लैब को जो 43 सैंपल दिए गए थे, उनमें से पांच सैंपल क्वालिटी पर खरे नहीं उतरे।

इन दवाओं के सैंपल फेल

एमलोडिपाइन, लेवेटिरासीटम, पैंटोप्राजोल, सेफ्लैक्सीन और डेक्सामेथासोन जैसी दवाएं सरकारी और प्राइवेट दोनों लैबोरेटरीज में फेल हो गई है। चंडीगढ़ की एक सरकारी लैब में 11 और सैंपल पेंडिंग पड़े हैं। वहीं, विजिलेंस डिपार्टमेंट का कहना है कि क्योंकि 10% सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं, इसलिए सैंपलिंग स्कोप बढ़ाया जाएगा।

प्रदेश के 11 जिलों में 27 तक घने कोहरे का अलर्ट

मौसम विभाग का दावा, आज बूंदाबांदी संभव
26 से फिर बदलेगा मौसम, बारिश के आसार

हरियाणा (हरिभूमि टीम)। प्रदेश के कई जिलों में शनिवार को सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। वाहन चालकों को भारी परेशानियों को सामना करना पड़ा। सुबह 11 बजे के बाद ही कोहरे से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग ने 27 दिसंबर तक 11 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, सोनीपत, पानीपत, अंबाला, करनाल, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल शामिल हैं। इन जिलों में वाहनों से सफर करने वाले लोगों को सुबह और शाम ज्यादा अलर्ट रहने की जरूरत है। कुछ जिलों में बादल छाए रहेंगे, साथ ही बूंदाबांदी की भी संभावना है। इसके बाद एक बार फिर 26 दिसंबर से बारिश के आसार बन रहे हैं। राज्य में ठंड का दौर जारी है।

बालसमंद तीसरे दिन भी सबसे ठंडा

शनिवार को प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों में घना कोहरे छाया रहा, जिसके चलते जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा। धुंध ने वाहनों की रफ्तार रोक दी। वाहन चालक सुबह के समय भी वाहनों की लाइट जलाकर आवागमन करते देखे गए। लगातार तीसरे दिन भी हिसार का गांव बालसमंद प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। बालसमंद का न्यूनतम पारा 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, हालांकि शुक्रवार के रात्रि पारे 3.1 डिग्री के मुकाबले थोड़ी वृद्धि हुई है। फतेहाबाद का न्यूनतम पारा 6.0, हिसार 6.5, महेंद्रगढ़ 7.4, भिवानी 8, झज्जर 8.2, पानीपत 8.4, नारनौल 8.7, अंबाला 8.9, जींद, बावल व सिरसा 9.0, रोहतक 9.4, सोनीपत 9.4, मेवात 9.7 व यमुनानगर 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

हांसी में 5 गाड़ियां टकराईं

हांसी। घने कोहरे व गाड़ी का स्टेयरिंग फेल हो जाने से शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर ढाणा कलां गांव के समीप 5 गाड़ियां आपस में टकरा गई। लेकिन गनीमत रही कि इतने बड़े हादसे में किसी प्रकार का जान नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंच क्षतिग्रस्त गाड़ियों को राजमार्ग से हटाकर यातायात को सुचारू करवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब साढ़े आठ बजे एक इको का स्टेयरिंग फेल हो जाने के कारण चालक गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठा। गाड़ी सड़क किनारे डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर के गाड़ी सड़क किनारे रुक गई और उसके पीछे आ रही 4 गाड़ियां एक दूसरे के साथ टकरा गई। पांचों गाड़ियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

खबर संक्षेप

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक 3 जनवरी को

चंडीगढ़। सीएम मनोहर लाल की अध्यक्षता में 3 जनवरी को प्रदेश मंत्रिपरिषद की अहम बैठक होगी। विधानसभा शीतकालीन सत्र समाप्त होने के बाद में कैबिनेट बुलाने की तैयारी थी। बैठक में कुछ अहम फैसले लिए जा सकते हैं। ब्यूरो

वीवो-इंडिया के 3 अधिकारी धनशोधन में गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने धन शोधन के मामले में स्मार्टफोन निर्माता चीनी कंपनी वीवो-इंडिया के तीन शीर्ष अधिकारियों सीईओ होंग शुक्वान उर्फ टेरी, सीएफओ हरिंदर दहिया और सलाहकार हेमंत मुंजाल को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जाएगी। भाषा

झज्जर के गूंगा पहलवान वीरेंद्र भी लौटाएंगे पद्मश्री

एक्स पर लिखा- मुझे अपनी बहन साक्षी मलिक पर गर्व

विवाद
मैं भी बहन और देश की बेटी के लिए सम्मान लौटाऊंगा
■
सचिन तेंदुलकर और नीरज चोपड़ा को भी टैग किया
■
लिखा-सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से अनुरोध करूंगा कि वो भी निर्णय लें
■
झज्जर के वीरेंद्र डेफलंपिक्स में जीत चुके स्वर्ण पदक

नई दिल्ली (भाषा)। डेफलंपिक्स (मूक बधिर खिलाड़ियों का ओलंपिक) के स्वर्ण पदक विजेता झज्जर के वीरेंद्र सिंह यादव (गूंगा पहलवान) ने भी डब्ल्यूएफआई के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में शीर्ष पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए सरकार को पद्मश्री लौटाने का फैसला किया है। वीरेंद्र ने महिला पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया का समर्थन करते हुए कहा कि वह अपना सम्मान वापस लौटा देंगे। साक्षी ने डब्ल्यूएफआई चुनावों में संजय सिंह की जीत के तुरंत बाद खेल से संन्यास की घोषणा की थी, जबकि बजरंग ने शुक्रवार को अपना पद्मश्री लौटा दिया था। वीरेंद्र ने ट्विटर पर लिखा, 'मैं भी अपनी बहन और देश की बेटी के लिए पद्मश्री सम्मान लौटाऊंगा। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुझे आपकी बेटी और मेरी बहन साक्षी मलिक पर गर्व है।'

वीरेंद्र ने सचिन तेंदुलकर और नीरज चोपड़ा जैसी देश की प्रतिष्ठित खेल हस्तियों से भी इस मुद्दे पर अपनी राय देने का आग्रह किया। वहीं, डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने पहलवानों के साथ कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गोद में बैठे इन पहलवानों के साथ देश का एक भी पहलवान नहीं है।

प्रदेश में दो साल से बड़े बच्चों के गोद लेने को मिलेगा बढ़ावा

हरिभूमि खास

अभिभावकों को नहीं करना पड़ेगा लंबा इंतजार
■
केंद्रीय दत्तक संसाधन अभिकरण ने दिए आदेश
■
प्रदेश में इस समय करीब 90 बाल संरक्षण केंद्र

कैथल (नरेश पंवार)। प्रदेश में अब दो साल से बड़े बच्चों के एडॉप्शन यानी गोद लेने को बढ़ावा मिलने वाला है। केंद्रीय दत्तक संसाधन अभिकरण ने प्रदेश के सभी जिला बाल कल्याण समिति, डीसीपीयू, सीसीआई व स्पेशलाइज्ड एडॉप्शन एजेंसी के अधिकारियों को तेजी से कार्रवाई के आदेश दिए हैं। अभिकरण ने एक माह के अंदर शिशु गृह, बाल संरक्षण केंद्र व अन्य एनजीओ में रह रहे दो साल से बड़े बच्चों की रिपोर्ट भेजने के आदेश दिए हैं। बता दें कि अभिकरण ने इसी सप्ताह आनलाइन कार्यशाला आयोजित कर बच्चों संबंधी जानकारी जुटाई थी।

क्या कहते हैं आंकड़े

केंद्रीय दत्तक संसाधन अभिकरण पोर्टल पर आंकड़ों के अनुसार इस समय प्रदेश में एडॉप्शन के लिए 2,116 बच्चे पंजीकृत हैं। इनमें सामान्य 720 व स्पेशल नीड के 1396 बच्चे हैं। इनमें अभिभावकों की संख्या इन कंट्री 2,688 व इंटर कंट्री 39 है।

लंबा इंतजार : इस समय 2 साल से कम आयु के बच्चे करीब 3 साल में मिल जाते हैं, लेकिन 2 साल से बड़ी आयु के बच्चों के लिए 4-5 साल का इंतजार करना पड़ रहा है।

यह प्रक्रिया : अभिकरण द्वारा बच्चों को इच्छुक दंपत्तियों को गोद दिया जाता है। इसके लिए सीएआरएडाटएनआईसीडाटइन पर पंजीकरण करवाना होता है। जांच के बाद लिस्ट में नाम आने पर जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से बच्चा गोद दे दिया जाता है। प्रदेश में इस समय करीब 90 बाल संरक्षण केंद्र काम कर रहे हैं।

कैथल की बाल उपवन आश्रम बाल संरक्षण केंद्र के प्रधान रविभूषण गर्ग ने कहा कि सरकार व विभाग बच्चों को जल्द गोद देने के हक में है, लेकिन कुछ कानूनी अड़चनों से देरी होती है।

खबर संक्षेप

बजरंग को पदक नहीं लौटाना चाहिए : विज

चंडीगढ़। गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि बजरंग पुनिया को न अपना पदक लौटाना चाहिए और न ही खेलना छोड़ना चाहिए। पदक बजरंग पुनिया का हक है जोकि उन्हें लौटाना नहीं चाहिए और खेल जारी रखते हुए पदक अपने पास रखना चाहिए। विज ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बजरंग पुनिया का यदि कोई बात है तो खेल को जारी रखते हुए वह अपनी बात रख सकते है।

जजपा ने पार्टी के बीसी सेल का विस्तार किया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन की पुनर्गठन प्रक्रिया के तहत 91 पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श के बाद बीसी सेल में तीन जिला संयोजकों और 88 हलका अध्यक्षों की नियुक्तियों की सूची जारी की है। रोहतक जिले में अशोक प्रजापत, सिरसा में छिंद्रपाल कंबोज और रेवाड़ी में धर्मबीर चोकन को बीसी सेल के जिला संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

संकट की घड़ी में बेटियों का साथ देना चाहिए

चंडीगढ़। ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक के कुश्ती से संन्यास लेने को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा कांग्रेस कमेटी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सैलजा ने कहा कि संकट की घड़ी में जंग लड़ रही बेटियों का साथ देना चाहिए। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए उनका साथ देना जरूरी है।

गोयल इनेलो व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नियुक्त

चंडीगढ़। इनेलो सुप्रीमो एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश चौटाला ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श उपरांत व्यापार प्रकोष्ठ में नियुक्तियां की। व्यापार प्रकोष्ठ में 64 लोगों को जगह दी गई है। इनेलो पार्टी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी की। ओम प्रकाश गोयल को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

48 कोस के तीर्थों का भ्रमण करवाने के लिए जल्द बस सेवा शुरू होगी

पीपली में संत रविदास तथा सिख गुरुओं की स्मृति में स्मारक बनाए जाएंगे : मुख्यमंत्री

कुरुक्षेत्र। 48 कोस तीर्थ सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

- धर्म नगरी में 48 कोस तीर्थ सम्मलेन का आयोजन
- 182 तीर्थों की जानकारी से संबंधित पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने घोषणा की कि कुरुक्षेत्र के पास पीपली में संत रविदास तथा सिख गुरुओं की स्मृति में स्मारक बनाये जाएंगे ताकि लोग उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा ले सकें। श्रद्धालुओं को कुरुक्षेत्र के पास 48 कोस के तीर्थों का भ्रमण करवाने के लिए जल्द ही बसों की सुविधा शुरू करवाने की भी बात कही। वे शनिवार को कुरुक्षेत्र में 48 कोस तीर्थ सम्मलेन के दौरान उपस्थित संत समाज व अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने 48 कोस की परिधि में स्थित 182 तीर्थों की जानकारी से संबंधित एक पुस्तक का विमोचन किया और लोगों को इस पुस्तक का अधिक से अधिक प्रचार करने का आह्वान किया।

उन्होंने 48 कोस क्षेत्र में आने वाले तीर्थों से कलश के माध्यम से लाई गई मिट्टी को पवित्र बताते हुए नमन किया और कहा कि ये सभी तीर्थ स्थल प्रेरणा के स्त्रोत हैं। उन्होंने भगवद गीता और 48 कोस तीर्थों के पास होने को एक अनूठा संगम बताया और कहा कि गीता का सन्देश सार्वभौमिक, शाश्वत और सार्वकालिक है।

असम के सीएम ने की शिरकत, बोले- भगवान श्रीकृष्ण का असम से भी रहा गहरा संबंध

कुरुक्षेत्र। महोत्सव में पवित्र गीता पर पुष्प अर्पित करते असम के मुख्यमंत्री।

कुरुक्षेत्र। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमन्त बिस्वा सरमा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में महाभारत के समय में पूरे भारत का संगम हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण का असम से गहरा संबंध था। श्रीकृष्ण की पत्नी रुकमणी असम से थी। इसलिए असम में श्रीकृष्ण को दामाद मानते हैं। महाबली भीम ने भी असम में शादी की थी। अर्जुन ने उनके राज्य पड़ोसी मणिपुर में शादी की थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेज सोचते थे कि भारत को अंग्रेजों ने बनाया है, लेकिन यह सत्य नहीं है। भारत का इतिहास बहुत पुराना है। यहां की संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी है। उन्होंने गीता महोत्सव में निमंत्रण के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया। वहीं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज का विश्व कोरोना जैसी महामारी तथा युद्ध जैसी विभिषिकाओं के कारण अपने आपको को अंधेरी कोठरी में असहाय सा समझ रहा है। ऐसे हालात में हर किसी को भारत से आशा बंधी है कि उसकी संस्कृति व गीता रूपी विरासत दुनिया को बचा सकती है। भारत के प्रति विश्व का जो विश्वास बना है, हम उसको बनाएं रखेंगे। उन्होंने कहा कि गीता का सार है कि हमे कर्म करते रहना चाहिए, फल की चिंता नहीं करनी चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने पहरावर भूमि की पट्टा राशि का किया समाधान

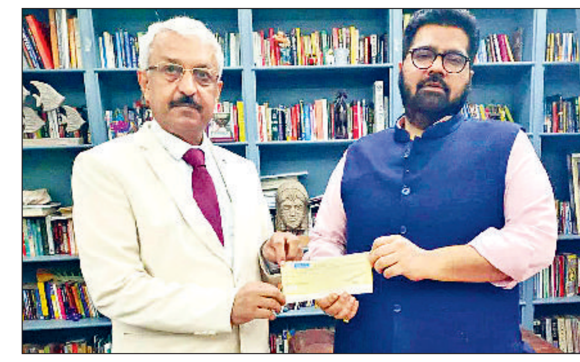
रोहतक। राशि का चेक सौंपते राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा।

- निजी कोष से दिए 50 लाख, राशि की एफडी करवाकर उसके ब्याज से भरी जाएगी पट्टा राशि
- गौड़ शिक्षण संस्थान के पदेन सचिव डॉ. जयपाल शर्मा ने दी जानकारी

रोहतक। गांव पहरावर की जमीन जो पिछले दिनों गौड़ ब्राह्मण शिक्षण संस्थान को पटे पर दी गई थी, उसकी पटा राशि जो हर साल दो लाख है और उसमें हर वर्ष दस प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इसके लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा ने गौड़ ब्राह्मण शिक्षण संस्थान को 50 लाख की राशि अपने निजी कोष से दी है, जिसकी एफडी करवा, ब्याज से पटे की राशि भरी जाएगी।

गौड़ शिक्षण संस्थान के पदेन सचिव डॉ. जयपाल शर्मा ने रोहतक में पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री विनोद शर्मा और राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पटा राशि भरना एक चिंता का विषय था, लेकिन शर्मा परिवार ने अपने निजी कोष से दान देकर इसका स्थाई समाधान कर दिया है। डॉ. जयपाल शर्मा ने बताया कि 11 दिसंबर 2022 को करनाल में सांसद कार्तिकेय शर्मा के योगदान से भगवान परशुराम महाकुंभ का आयोजन किया गया था। इसमें मुख्यमंत्री हरियाणा मनोहर लाल ने गांव पहरावर की जमीन गौड़ ब्राह्मण शिक्षण संस्थान को पट्टे पर देने की घोषणा की थी और वह जमीन संस्था को मिल चुकी है। जमीन के कागजात 16 मई 2023 को मुख्यमंत्री निवास पर संस्था के पदेन सचिव को सौप दिए गए थे। डॉ. जयपाल शर्मा ने कहा कि सांसद कार्तिकेय शर्मा की करनी और कथनी में कोई अंतर नहीं है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से लाभार्थियों को मिल रहा सीधा लाभ

चंडीगढ़/ समालखा। सरकार की प्रमुख योजनाओं में पूर्णता हासिल करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा' पूरे देश में शुरू की जा रही है और इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे। इसी श्रृंखला के तहत पानीपत के समालखा में लोगों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत अभिनंदन किया। शहरी क्षेत्र के लिए चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही बुढ़ापा पेंशन, बीपीएल व गुलाबी राशन कार्ड, परिवार पहचान पत्र में शुद्धिकरण, स्वास्थ्य जांच, आयुष्मान कार्ड लाभ सहित अन्य योजनाओं व सेवाओं का लाभ मौके पर ही दिया जा रहा है।

खिलाड़ियों का पदक लौटना और साक्षी का कुश्ती से ही संन्यास लेना, देश का दुर्भाग्य : डॉ. गुप्ता

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी प्रदेशस्तरीय बदलाव यात्रा के नौवें दिन आप नेताओं ने हरियाणा में खेल और खिलाड़ियों की दुर्दशा को लेकर सरकार को घेरा। नौवें दिन प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता गोहाना में रहे। प्रदेश प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर लोहारु, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा कलायत और प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा करनाल में रहीं। हरियाणा में भाजपा सरकार खिलाड़ियों के भविष्य को खराब करने का काम कर रही है। खिलाड़ियों को उचित सुविधाएं मुहैया कराने में नाकाम रही है। डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि हरियाणा और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी अपने राष्ट्रीय पदक वापस कर रहे हैं। साक्षी मलिक ने कुश्ती से ही सन्यास ले लिया। इससे पहले, न्याय के लिए जंतर मंतर पर बैठना पड़ा। इससे बड़ा दुर्भाग्य देश में क्या हो सकता है। केंद्र सरकार न्याय और जांच का वादा करके मुकर गई। बृज भूषण शरण सिंह के खास व्यक्ति को कुश्ती संघ की कमान दी गई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा मेडल प्रदेश के खिलाड़ी ही लाते हैं, लेकिन खिलाड़ियों को न्याय दिलाने के लिएसरकार और केंद्र सरकार ने कोई आवाज नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी की मेहनत में उसके पूरे परिवार का योगदान होता है। जब खिलाड़ी मेडल लाते हैं तो सरकार घोषणा तो कर देती है, लेकिन उनको पूरा करवाने के लिए खिलाड़ियों को, उनके परिवारों को सालों लग जाते हैं।

जेईई व नीट की तैयारी के लिए बच्चों को कोचिंग देंगे बिजली निगम के इंजीनियर

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

- गांवों में 24 लाइब्रेरी भी खोल चुका बिजली निगम

सूबे को बिजली से रौशन करने वाले बिजली निगमों के इंजीनियर्स आने वाले समय में सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा और करियर बनाने में मदद करेंगे। खासतौर पर 9वीं से लेकर 12 वीं तक के विद्यार्थियों को मुश्किल विषयों में आने वाली दिक्कतों को दूर करने का काम का काम वक्त निकालकर करेंगे। हरियाणा बिजली निगमों के चेयरमैन पीके दास और आला-अफसरों की पहल पर नए साल में इसकी शुरुआत होने जा रही है। बताया गया है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी बच्चों जिनका डाक्टर, इंजीनियर बनना सपना है, साथ ही साधनों की कमी है। इस तरह के विद्यार्थियों, खासतौर पर 9वीं कक्षा से लेकर 12 वीं तक के विद्यार्थियों की मदद करने के लिए सूबे के पावर हाउसों की जिम्मेदारी उठाने वाले एसडीओ स्तर के इंजीनियर्स इन बच्चों की फीजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, अंग्रेजी जैसे विषयों में मदद करेंगे, इन विद्यार्थियों को नीट और इंजीनियर के जेईई, जेईई एडवांस परीक्षा की तैयारी कराने की दिशा में भी गाइड करेंगे।

मुख्यालय की ओर से की जा रही पहल

प्रदेश के अंदर गांवों में सीएसआर फंड से दो दर्जन लाइब्रेरी खोल चुके बिजली निगमों द्वारा नए साल में यह प्रस्तावित योजना को अमली जामा पहनाने की तैयारी है। खास बात यह है कि इस दिशा में दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सूबे में लगभग 442 सब स्टेशन हैं, इनमें चार से पांच सब स्टेशनों पर एक एसडीओ की ड्यूटी है। वैसे, एसडीओ स्तर के अधिकारी प्रदेश मुख्यालय बिजली कंपनियों में भी जमे हुए हैं लेकिन फील्ड में काम करने वाले इंजीनियर्स भी तीन सौ से ज्यादा हैं। इनमें स्वेच्छा के साथ जो भी सरकारी स्कूलों के टाप टेन विद्यार्थियों की मदद करना चाहेंगे, उनकी सेवा इस सामाजिक पहल में ली जाएगी। पावर यूटिलिटी के चेयरमैन और पूर्व आईएएस अफसर पीके दास ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम ग्रामीण और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करेंगे, लेकिन स्कूलों में मेधावी और आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों को पहले चरण में लिया जाएगा ताकि उनके सपने को पूरा करने में आ रही दिक्कतों और विषय संबंधी समस्याओं का निवारण किया जा सके। दास ने बताया कि हमारे पास पावर सेक्टर में होनहार और इन विषयों को लेकर पढ़े लिखे इंजीनियर्स हैं, जो दूसरों की मदद करने का काम करेंगे।

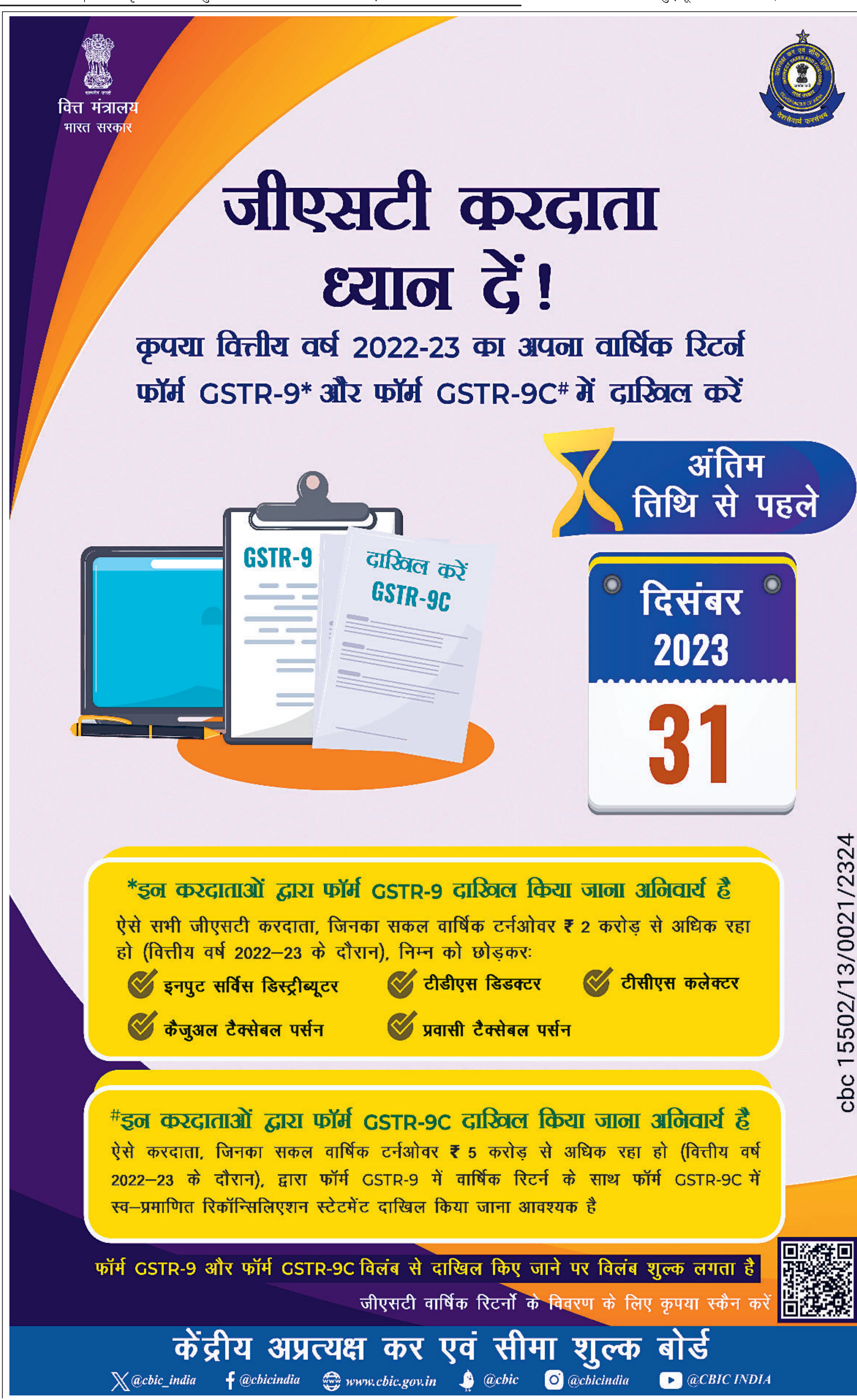

हरियाणा सरकार

राष्ट्रीय किसान दिवस

किसान हितैषी चौ. चरण सिंह जी की जयन्ती के उपलक्ष में

'अन्नदाता सम्मेलन'

इस अवसर पर

₹112 करोड़ की 18 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

मुख्य अतिथि

श्री मनोहर लाल
मुख्यमंत्री, हरियाणा

गरिमामयी उपस्थिति

श्री जय प्रकाश दलाल
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, हरियाणा

24 दिसम्बर, 2023 | दोपहर 1:00 बजे
शहीद स्मारक खेल स्टेडियम, गांव सिंघानी, भिवानी

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

"बीते 9 साल में बीज से लेकर बाज़ार तक, किसान की आय को बढ़ाने के लिए एक के बाद एक अनेक कदम उठाए गए हैं। मिट्टी की जांच से लेकर, पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर लागत का डेढ़ गुणा एमएसपी करने तक, सिंचाई के सशक्त नेटवर्क से लेकर किसान रेल तक, अनेक कदम उठाए हैं।"

- नरेन्द्र मोदी

सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

गंभीर बीमारी से पीड़ित अर्जुन, दुनिया के सबसे महंगे इंजेक्शन से हो सकता है ठीक

19 माह के अर्जुन को 17.50 करोड़ के इंजेक्शन की आवश्यकता, दुनिया की सबसे महंगी जोलजेस्मा दवा

सतीश सैनी ▶▶| नारनौल

जब नवजात अर्जुन का जन्म पांच मई 2022 को हुआ तो वह बिल्कुल स्वस्थ था। छह माह उम्र हुई तो अचानक पैरों की मांसपेशियों में खिंचाव हो गया। परिजन छह माह इधर-उधर इलाज करवाते रहे और चिकित्सकों ने कोई बीमारी नहीं बताई। फिर हैदराबाद में होने वाली टेस्टिंग से आई रिपोर्ट के बाद जयपुर में जेके लोन हॉस्पिटल में कार्यरत चिकित्सक प्रियांशु माथुर से अर्जुन को एसएमए टाइप-1 बीमारी (स्पाइनल मरकूलर स्ट्रोफी) घोषित की। जिसका उपचार केवल जोलजेस्मा का इंजेक्शन ही है। जिससे अर्जुन ठीक हो सकता है। यह दवा भारत में नहीं नीदरलैण्ड में बनती है। एक इंजेक्शन की कीमत भारत में 17.50 करोड़ रुपये है।

नांगल चौधरी में एसएस हॉस्पिटल में जॉब कर रहे रिटायर टीचर रामजीलाल जांगिड़ से हरिभूमि ने बातचीत की।

रामजीलाल बच्चे अर्जुन के दादा है। बातचीत में रामजीलाल ने बताया कि पौत्र अर्जुन फिलहाल राजस्थान में डाबला के पास गांव स्यालोदड़ा में रह रहा है। अर्जुन एसएमए बीमारी से ग्रस्त है। जो सबसे गंभीर रूप है। अधिकांश मुंह और गले की मांसपेशियों का नियंत्रण करने वाली तंत्रिकाओं को प्रभावित करता है। इसलिए इसमें चबाने और निगलने से संबंधित समस्याएं अधिक होती है। रोग के सभी प्रकारों में श्वसन पेशियां अलग-अलग स्तर तक शामिल रहती हैं। एसएमए टाइप-वन में रोग का आरंभ बच्चे के जीवन के आरंभिक छह महीने के अंदर दिखने लगता है। एसएमए टाइप-वन से पीडित बच्चे सहारे के बिना बैठ नहीं पाते है और आमतौर पर दो वर्ष का होने से पहले उनकी मृत्यु हो जाती है। इसका इलाज सिर्फ जोलजेस्मा इंजेक्शन ही है जसकी कीमत 17.50 करोड़ है। अर्जुन अभी 19 माह का है और यह इंजेक्शन दो साल तक ही लगता है। हमारे पास इंतजार के सिर्फ दो-तीन महीने ही है।

■ नारनौल। बच्चा अर्जुन

■ बच्चे के दादा रामजीलाल जांगिड़ नांगल चौधरी के एक निजी हॉस्पिटल में हैं कार्यरत, पौत्र को बचाने का कर रहे हैं प्रयास

चिंता: कहां से लाएं इतनी मोटी रकम

दादा रामजीलाल ने हरिभूमि को बताया कि वह खुद रिटायर्ड टीचर है और इन दिनों नांगल चौधरी में एसएस हॉस्पिटल में पार्ट टाइम काम कर रहा है। इकलौता बेटा चिराग सिटी स्कैन मशीन ठीक करने वाली निजी कंपनी में कार्यरत है। परिवार की हालत भी इतनी नहीं है कि इतनी मोटी रकम वहन कर सके। उन्होंने बताया कि इस दौरान एक एनजीओ इम्पेक्ट गुरु आगे आई है और लोगों को सोशल मीडिया या अन्य संसाधनों के माध्यम से अर्जुन से जुड़ी हर चिकित्सक रिपोर्ट व डिटेल सांझा कर पैसा एकत्रित कर रही है। यहीं नहीं, वह लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से भी मिले थे। पीएमओ को भी फाइल भिजवा चुके है।

यह है जोलजेस्मा इंजेक्शन

दुनिया की सबसे महंगी दवा जोलजेस्मा का इंजेक्शन है। चिकित्सक श्रेणी में इसे एक प्रकार की जीन थेरेपी बताते है जिसका उपयोग स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी (एसएमए) से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए किया जाता है। यह बीमारी बच्चों के मांसपेशियों को कमजोर करती है और अगर इसका इलाज नहीं किया जाता है तो यह घातक हो सकती है। जोलजेस्मा इंजेक्शन का उपयोग करके एसएमए का इलाज करने के लिए, बच्चे को एक बार इंजेक्शन लगाया जाता है। इंजेक्शन बच्चे के शरीर में एक नए जीन को डालता है जो एसएमए के कारण होने वाले नुकसान को ठीक कर सकता है। जोलजेस्मा इंजेक्शन अभी भी भारत में स्वीकृत नहीं है, लेकिन डॉक्टर की सलाह और सरकार की मंजूरी के बाद इसे आयात किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

हिसार। विधायक भव्य बिश्नोई व उनकी धर्मपत्नी आईएएस परी।

आदमपुर के विधायक भव्य परिणय सूत्र में बंधे

हिसार। जिले की आदमपुर सीट से विधायक भव्य बिश्नोई परिणय सूत्र में बंध गए हैं। राजस्थान के उदयपुर में हुए कार्यक्रम में दोनों परिवारों के मुख्य सदस्यों के अलावा कुछ खास लोग ही शादी में शामिल हुए। भव्य बिश्नोई की शादी के तीन बड़े कार्यक्रम होने हैं। उदयपुर में हुए शादी के कार्यक्रम में कुछ वीआईपी के अलावा दोनों परिवारों के सदस्य, राजस्थान से जुड़े नेता, संत महात्मा व कुछ अन्य वीआईपी पहुंचे। भव्य के पिता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने परी के पिता के गले मिलकर आभार जताया। कार्यक्रम में बिश्नोई समाज के रीति-रिवाज अनुसार फेरों की रस्म अदा की गई। अगला कार्यक्रम 26 को आदमपुर में होगा।

हकेंवि में मोटे अनाज की उपयोगिता पर चर्चा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा बाजरा- अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर ऑनलाइन जागरूकता विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के अंतर्गत तकनीकी संस्थानों और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता न रखने वाले संस्थानों के बीच जागरूकता के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हांसी: वकील को लगाई साढ़े सात लाख की चपत

हांसी। शातिर ठगों द्वारा शहर एक प्रसिद्ध वकील को उसी के पास प्रैक्टिस करने व पड़ोसी जूनियर एडवोकेट अमन बनकर 7 लाख 40 हजार की धोखाधड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। साइबर पुलिस जांच कर रही है।

रेवाड़ी में सीएम फ्लाइंग की छापेमारी से हड़कप

आठ डंपर जब्त, 5.76 लाख का किया जुर्माना

कार्रवाई के बाद ओवरलोड वाहन हाईवे से गायब हो गए

■ कसोला चौक से जयसिंहपुर खेड़ा बैरियर तक ओवरलोड वाहनों की जांच की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर शनिवार को एक बार फिर सीएम फ्लाइंग ने ओवरलोड डंपरों पर शिकंजा कसने के लिए आरटीए अफसरों के साथ चेकिंग शुरू की। इससे हाईवे पर चलने वाले ओवरलोड वाहनों के मालिकों में हड़कंप मच गया। संयुक्त टीम ने हाइवे पर 8 ओवरलोड डंपर पकड़े, जिन पर 5.76 लाख रुपये जुर्माना किया गया। सीएम फ्लाइंग की कार्रवाई शुरू होने के बाद ओवरलोड वाहन हाइवे से गायब हो गए। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सत्येंद्र के नेतृत्व में आरटीए स्टॉफ के इंस्पेक्टर नरेश कुमार व सीआईडी के सब इंस्पेक्टर बलजीत ने कसोला चौक से जयसिंहपुर खेड़ा बैरियर तक वाहनों की जांच शुरू की।

रेवाड़ी। पकड़े गए ओरवरलोड डंपर। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी। एवं कार्रवाई करते हुए सीएम फ्लाइंग की टीम। फोटो: हरिभूमि

कार्रवाई की सूचना पर मार्ग बदले

जांच के दौरान टीम ने सात वाहन ऐसे पकडे, जिनमें क्षमता से अधिक सामग्री भरी हुई थी। इन वाहनों को कसोला चौक के पास पार्किंग में इंपाउंड किया गया। वाहनों से मौके पर ही जुर्माना राशि की वसूली की गई। ओवरलोड वाहन मालिकों में सूचना मिलने के बाद हड़कंप मच गया। तुरंत पकड़ से बाहर रहे ओवरलोड वाहनों के चालकों को सूचना दी गई, जिससे बाद यह वाहन नेशनल हाइवे पर नजर नहीं आए।

खेड़ा बॉर्डर के पास ही रोके वाहन

सीएम फ्लाइंग की चेकिंग शुरू होने के साथ ही ओवरलोड माफिया में अफरा-तफरी मच गई। राजस्थान की ओर से आने वाले वाहनों को राजस्थान की सीमा में ही खेड़ा बॉर्डर के पास रोक दिया गया। इसके इसके बाद हाईवे पर ओवरलोड वाहन नजर नहीं आए। चेकिंग शुरू होने के बाद हमेशा ऐसे वाहनों को राजस्थान की सीमा में रोक दिया जाता है, जहां कार्रवाई करने का अधिकार आरटीए स्टाफ को नहीं है। ओवरलोड माफिया लगातार फायदा उठाता रहा है।

सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय की परीक्षा के लिए 26 से आवेदन

■ सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम 18 व 22 को घोषित किया जा चुका

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव एवं सचिव ज्योति मित्तल ने बताया कि अक्टूबर 2023 में आयोजित करवाई गई सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी शैक्षिक व मुक्त विद्यालय पूरक परीक्षा का परिणाम 18 व 22 दिसम्बर, 2023 को घोषित किया जा चुका है। इस आशय की पूर्ण जानकारी देते हुए बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी परीक्षा मार्च व जुलाई व अक्टूबर 2023 में जिन परीक्षार्थियों का परिणाम कम्पार्टमेंट घोषित हुआ एवं जो परीक्षार्थी आंशिक व पूर्ण विषय अंक सुधार,अतिरिक्त विषय व परीक्षा देना चाहते हैं, बतौर स्वयंपाठी परीक्षार्थी मार्च 2024 की परीक्षा के लिए बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से 26 दिसम्बर से 01 जनवरी, 2024 तक निर्धारित शुल्क सहित ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी मुक्त विद्यालय परीक्षा मार्च 2024 के सीटीपी व ओसीटीपी रिअपीयर आंशिकपूर्ण अंक सुधार अतिरिक्त विषय श्रेणीद्ध के लिए आवेदन करना चाहते हैं ऐसे परीक्षार्थी भी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर 26 से 1 जनवरी, तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सफीदों में बाइक सवार दो युवकों को कंबाइन ने कुचला

■ कंबाइन चालक घटना को अंजाम देकर मौके से फरार

मृतक कुलदीप मृतक गुरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

सफीदों के सीमावर्ती गांव उरलाना खुर्द के दो युवकों की कंबाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं कंबाइन चालक घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। दोनों युवकों को सफीदों के नागरिक अस्पताल में लाया गया, जहां पर डाक्टरों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दोनों युवक बाइक पर सफीदों से खरीदारी करके अपने गांव लौट रहे थे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

गांव उरलाना कलां के कुलदीप (28) व गुरपाल (21) खरीददारी के लिए सफीदों आए हुए थे। वे सायं को वापस गांव लौट रहे थे कि वे गांव के पास बने गुरुद्वारा के पास पहुंचे तो वे वहां से गुजर रही एक कंबाइन ने उन्हें चपेट में ले लिया। चपेट में आते ही दोनों युवक बाइक सहित सड़क पर आ गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर कंबाइन चालक मौके से फरार हो गया। मामले की सूचना डायल 112 को दी गई। राहगीरों ने पुलिस की मदद से दोनों युवकों को सफीदों के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने उन्हे मृत्त घोषित कर दिया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। मृतक कुलदीप पानीपत के थर्मल चौकी में होमगार्ड की पोस्ट पर था और उसकी चार छोटी-छोटी लड़कियां है। वह घर में एकमात्र कमाने वाला था और पूरे घर की जिम्मेदारी उसी के कांधे पर थी। जबकि मृतक गुरपाल दिहाड़ी मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 व 83 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद** पुत्र **राजपाल** निवासी **वीपीओ कतवाल, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत, हरियाणा** ने case **FIR No. 670/2014 U/S 325/341/365/506/398/34 IPC, थाना कंझावला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त **विनोद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विनोद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 670/2014 U/S 325/341/365/506/398/34 IPC, थाना कंझावला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विनोद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 23.01.2024** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री आयुष शर्मा
महानगर दण्डाधिकारी
कमरा नं. 113, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/14674/RD/2023(Court Matter)

कैथल: युवती को कनाडा भिजवाने के नाम पर 6.30 लाख ठगे, दो नामजद

कैथल। युवती को कनाडा भेजने के नाम पर 6.30 लाख ठगने के आरोप में दो व्यक्तियों को नामजद किया है। गांव थेहनेवल के अतर सिंह ने चीका थाना में शिकायत दी कि उसकी बेटी लवप्रीत कौर विंग्स स्टडी अब्रॉड गुहला रोड चीका में पीटीई करने के लिए दो फरवरी 2021 को सेंटर संचालक जगदीप मित्तल से मिले। जगदीप मित्तल ने कहा कि यदि उसके सेंटर से पीटीई करेगी तो वह उसको 7.6 बैंड की गांरटी देता है। यदि इससे कम आए तो वह फीस को दोगुनी करके वापस देगा। सेंटर संचालक ने लडकी ने प्रतिमास 9500 रुपये के हिसाब से पांच मास की फीस के रुपये ले लिए।

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

फोन करते ही जिन्दगी संवारे
खुदा ने चाहा तो किसी प्यार टूटने नहीं दूगां
खुला चैलेंज 2 घंटो में घर बैठे फोन पर गारंटिड लाभ

7 इल्मों के माहिर
आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
मियां पठान बंगाली
गोल्ड मेडलिस्ट
स्पे. महावशीकरण, मुठकरनी
लवमैरिज, मनचाहा प्यार, वशीकरण ग्रहक्लेश, जादू-टोना, शादी कारोबार रुकावट, रुठे मनाना, किया-कराया पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, कोर्ट कचहरी आदि
7500542070
https://www.miyapathanjibangali.com

फाईनैंस

☞ MAHENDRA FINANCE COMPANY, काम हमारा विश्वास आपका सरकारी योजना, मुद्रा लोन (10+2), मार्कशीट, प्रोपेर्टी, पर्सनल, बिजनेस, मकान, 3 LAKH से 40 LAKH तक लोन। महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट ऑनलाइन सुविधा घर बैठे पायें। 2% ब्याज, 30% सब्सिडी। (10 मार्कशीट 24 घंटे 3 लाख का लोन) सिबिल खराब लोन पाएं, 93503 86748, पहले आएं पहले पायें

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जॉब

☞ FRAUD कॉल से सावधान RELIANCE JIO 5G कंपनी में पार्ट/फुलटाइम घर बैठे SMS JOB करके लड़के/ लड़कियां,गृहणियां, कमाए (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नामपता WHATSAPP करें 6296026501.

सड़क किनारे खड़े युवक को ट्रक ने रौंदा

यमुनानगर। जगाधरी की भगवानगढ़ कालोनी में अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे खड़े युवक को कुचल दिया। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भगवानगढ़ कालोनी निवासी सूरज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बड़ा भाई 35 वर्षीय गुलशन समता प्लाइवुड फैक्ट्री में लगभग तीन वर्ष से नौकरी कर रहा था। शाम को वह अपने घर के बाहर ही अपने दोस्त प्रवीण के साथ खाली जगह पर खड़ा था। तभी बूडिया रोड की ओर से कॉलोनी का ही सहदेव ट्रक लेकर आया। जिसने लापरवाही से चलाते हुए गुलशन को टक्कर मार दी।

सिक्योरटी गार्ड की आंखों में मिर्ची पाउडर डाल बंदूक व कारतूस छीने

जींद। धागा मील के निकट गोहाना रोड पर शुक्रवार रात ड्यूटी जा रहे सिक्योरटी गार्ड की आंखों मे मिर्ची पाउडर डाल कर उसकी डबल बैरल बंदूक तथा आधा दर्जन कारतूस को छीन लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने सिक्योरटी गार्ड की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ छीना झपटी का का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धागा मील के निकट रहने वाले कुलदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रोहतक रोड पर कार एजेंसी में सिक्योरटी गार्ड के पद पर कार्यरत है। बीती देर शाम वह स्कूटी पर सवार होकर डयूटी पर जा रहा था। घर से कुछ दूरी पर चादर आढे युवक ने उसे रोक लिया।

फर्जी कॉल सेंटर से लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य दबोचा

■ 23 मोबाइल, एक लैपटॉप व 30 सिम कार्ड बरामद

जींद। डिटेक्टिव स्टाफ ने फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान गाजियाबाद निवासी कैलाश के रुप में हुई। लोगों के साथ ठगी के इस मामले में अबतक डिटेक्टिव स्टाफ की टीम ने 12 आरोपितों को पकड़ कर 23 मोबाइल, एक लैपटॉप व 30 मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत के आदेश पर तीन दिन के रिमांड के बाद जेल भेज दिया है। पकड़े गए आरोपित से ठगी के 84700 रुपये बरामद हुए हैं। डिटेक्टिव स्टाफ के कुलदीप सिंह ने बताया कि गिरोह ने अपने मोबाइल नंबरों को गूगल पर विभिन्न हेल्पलाइन के नाम से अपलोड किया हुआ है।

MOFPI खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान, कुंडली

[राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, (एमओएफपीआई), भारत की सरकार के तहत।]
प्लॉट नं. 97, सेक्टर-56, एच.एस.आई.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र, कुंडली-131028,सोनीपत (हरियाणा)
ईमेल : researchniftem.ac.in, फोन नं.: 0130-2281011

जिला रोहतक (हरियाणा) के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के युवाओं के लिए उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP)

आयोजक - जिला सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केन्द्र, रोहतक

इस प्रशिक्षण के माध्यम से आप किसी भी प्रकार के उद्योग स्थापित कर सकते हैं। प्रसंस्करण से मूल्यवर्धित उत्पाद व आय बनाएं। यहाँ आपको उद्यम शुरू करने के बारे में गहन जानकारी मिलेगी, जिसमें कंपनी गठन के चरण, खाद्य व्यवसाय, बिक्री, विपणन, लेखा और वित्त में अनुपालन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण, बैंक ऋण और सरकारी सब्सिडी प्रक्रिया शामिल है। अनुगामी प्राप्त करने के बाद, आवेदक अपना उद्यम स्थापित करने में प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम होगा।

शैक्षणिक योग्यता : न्यूनतम 10वीं पास
आयु : 18 वर्ष से ऊपर
कुल संख्या : 35
चयन विधि : जिला सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र, रोहतक में निजी साक्षात्कार के द्वारा किया जाएगा।

साक्षात्कार : 29.12.2023
प्रशिक्षण प्रारम्भ की तिथि : 01.01.2024 (one month)
नोट: ये प्रशिक्षण केवल जिला रोहतक के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के युवक एवं युवतियों के लिए है एवं उन्हें निर्देशानुसार नियमित उपस्थिति उपरान्त 1000/- भी प्रदान की जाएगी।

आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि: 29.12.2023

अधिक जानकारी और आवेदन पत्र भरने के लिए (सोमवार से शुक्रवार) सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क करें:
Assistant Director, District MSME Centre, Rohtak
Phone: 01664-242425, Mobile: 8929402238, email: ad-rht.msme.hry.gov.in

शब्द पहेली - 5373

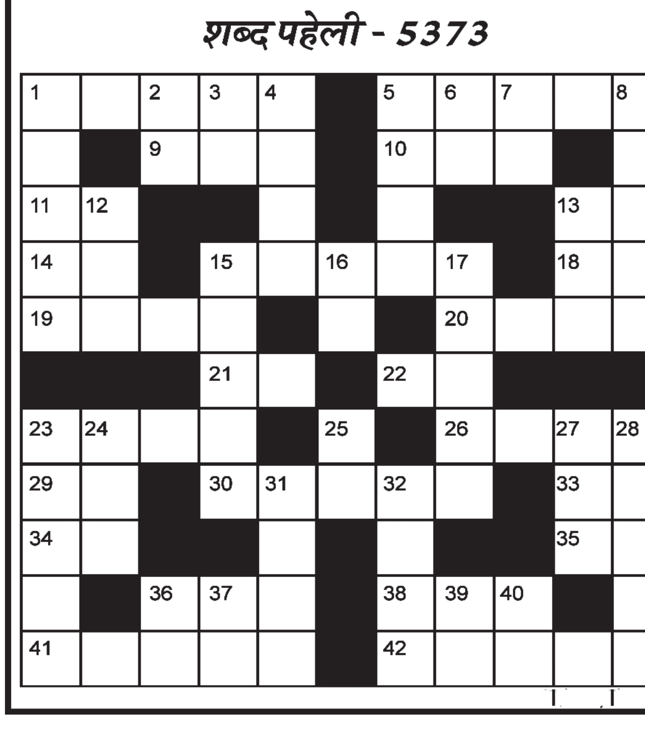

बाएँ से दाएँ
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -5372 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
स्ती		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
घा	य	ल		दा	म		उ	प्र		मो
त	म		प	ग		कृ	ष्ण		क	र

सूडोकु नवताल - 5383

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5382 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

मैनचेस्टर सिटी ने जीता पहला क्लब विश्व कप और 2023 का 5वां खिताब

एजेंसी ▶▶| जेद्दा

मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार रात को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम किया। मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा।

फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गई और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया। अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया। इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलाई। मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है।

खास बातें

- फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से दी शिकस्त
- 17 चरण में दिलाई 16वीं ट्रॉफी
- अब तक जीते एफए कप, प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और सुपर कप

गुआर्डियोला ने तीसरी टीम को दिलाया खिताब

इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गए। उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था। फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्रॉफी दिलाई थी। गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया, वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा। फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे।

एस्टन विला और शेफील्ड यूनाईटेड ने 1-1 से ड्रा खेला

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शुक्रवार को यहां अंत में किए गए गोल की बदौलत इंग्लिश प्रीमियर लीग मुकाबले में शेफील्ड यूनाईटेड से 1-1 से ड्रा खेला। इस नतीजे से एस्टन विला ने लीग तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। मुकाबले के दौरान वीएआर संबंधित कई विवाद हुए। शेफील्ड ने कैमरन आर्चर के 87वें मिनट में किये गोल से 1-0 से बढ़त बनायी। जिसके बाद निकोलो जानियोलो ने 90+7वें मिनट में गोल से एस्टन विला को बराबरी पर ला दिया। एस्टन विला अगर जीत जाता तो तालिका में आर्सेनल से ऊपर शीर्ष पर पहुंच जाता। पर अब वह आर्सेनल से बराबर अंक के बाद दूसरे स्थान पर चल रहा है।

खबर संक्षेप

शुक्ला दत्ता बनीं भारत की अंडर-19 कोच

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी शुक्ला दत्ता को अगले साल फरवरी में होने वाली सैफ चैंपियनशिप से पहले शनिवार को देश की अंडर-19 महिला फुटबॉल टीम की कोच नियुक्त किया गया। पूर्व भारतीय अंडर-17 महिला टीम की कोच शुक्ला दत्ता के साथ सभी महिलाओं के सहयोगी स्टाफ में पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्रद्धांजलि समंतारे और गोलकीपिंग कोच लौरेम्बाम रोनिबाला चानू उनकी सहायक होंगी। भारतीय टीम सैफ चैंपियनशिप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत अगले महीने गोवा में करेगी।

ऋतुराज के उंगली में फ्रैक्चर, जाएंगे एनसीए

मुंबई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर अपनी उंगली में फ्रैक्चर के कारण बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाएंगे। हर्षित राणा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच से पहले भारत ए की टीम से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को बताया कि सलामी बल्लेबाज गायकवाड़ की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में फ्रैक्चर है। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे।

सांसद का करीबी होने का मतलब यह नहीं है कि मैं कठपुतली उम्मीदवार हूं

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सिंह ने शनिवार को विरोध करने वाले पहलवानों की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि वह बृजभूषण शरण सिंह के कठपुतली उम्मीदवार नहीं हैं। गुरुवार को डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष चुने गए संजय सिंह को बृजभूषण का करीबी माना जाता है जिन पर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया जैसे देश के शीर्ष पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। चुनाव में संजय सिंह को सर्वाधिक मत मिले और इसे निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण का राष्ट्रीय महासंघ पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण माना जा रहा है। संजय सिंह ने पत्रकारों से कहा,"जो खिलाड़ी हैं उन्होंने तैयारी शुरू कर दी है और जो राजनीति करना चाहते हैं वह ऐसा कर सकते हैं। यह उनका निजी मसला है। मैं इस पर बात नहीं करूंगा।" साक्षी मलिक ने संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी, इस बारे में पूछे जाने पर डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष ने कहा, "मैं 12 वर्ष से महासंघ में हूं। मेरा एक सांसद (बृजभूषण) का करीबी होने का मतलब यह नहीं है कि मैं कठपुतली उम्मीदवार हूं। अगर मैं उनका करीबी हूं तो क्या यह अपराध है।" इस बीच साक्षी ने कहा कि वह उन पहलवानों को लेकर चिंतित है जो जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप को लेकर उनसे फोन पर बात कर रहे हैं।

हरमनप्रीत और स्नेह को दो-दो विकेट ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 46 रन की बढ़त

भारतीय महिला टीम ने बनाए 406 रन का रिकॉर्ड स्कोर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे दिन शनिवार को यहां अंतिम क्षणों में दो विकेट लेकर भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट क्रिकेट मैच में पलड़ा भारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 रन बनाए थे और इस तरह से उसने 46 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 406 रन बनाकर 187 रन की बढ़त हासिल की थी।

हरमनप्रीत ने ताहलिया मैकग्रा (73 रन) को क्लीन बोल्ड किया और फिर खतरनाक दिख रही एलिसा हिली (32) को पगबाधा आउट किया। स्टंप उखड़ने के समय एनाबेल सदरलैंड 12 और एशलेग गार्डनर सात रन पर खेल रही थी। तीसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। भारत ने सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 376 रन से आगे बढ़ाई और उसने आधे घंटे के खेल में ही 30 रन जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। सदरलैंड (दो विकेट) ने भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कल की अविजित बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (47) और रेणुका सिंह (08) को जबकि किम गार्थ ने दीप्ति शर्मा (78) को आउट किया।

भारत के नाम दो नए रिकॉर्ड

भारतीयों खिलाड़ियों ने दो नए रिकॉर्ड बनाए। दीप्ति ने अपनी पारी में 171 गेंद का सामना किया और नौ चौके लगाए। भारत का 406 रन का योग ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर है। दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी भारत की तरफ से नया रिकॉर्ड है।

विकेट से नहीं मिली मदद

विकेट से स्पिनरों को खास मदद नहीं मिल रही थी जिसके कारण भारतीय गेंदबाजों को संघर्ष करना पड़ा। राजेश्वरी गायकवाड़ ने 27 ओवर किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनकी गेंद पर हालांकि हीली को दो जीवनदान मिले थे।

पेरी और मैकग्रा ने जोड़े 84 रन

ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (33) और फोएबे लीचफील्ड (18) ने सतर्क शुरुआत की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। रिचा घोष ने मूनी को रन आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्नेह राणा (दो विकेट) ने लीचफील्ड को बोल्ड किया जो रिवर्स स्वीप करने से चूक गई थी। एलिस पेरी बड़ी पारी खेलने के मूड में दिख रही थी लेकिन भारतीय विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने राणा की गेंद पर उनका शानदार कैच लेकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पेरी ने 91 गेंद पर पांच चौकों की मदद से 45 रन बनाए। उन्होंने मैकग्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की।

सौरभ एयर पिस्टल ट्रायल्स में जीत की राह पर लौटे

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरभ चौधरी ने राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल्स में शनिवार को यहां फाइनल में 244.5 का स्कोर बनाकर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टी1 का खिताब जीता। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक सौरभ ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहे सेना के रविंद्र सिंह को आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 0.1 अंक के मामूली अंतर से हराकर लंबे समय बाद जीत की राह पकड़ी। महिलाओं की एयर पिस्टल टी1 में हरियाणा ने क्लीन स्वीप किया। सुरुचि ने दो ओलंपियन यशस्विनी देसवाल और मनु भाकर को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया। सुरुचि क्वालिफिकेशन में भी शीर्ष पर रही थी। उन्होंने 579 अंक बनाकर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका स्कोर 240.4 रहा। यशस्विनी दूसरे और मनु भाकर तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग के क्वालिफिकेशन में रविंद्र ने 586 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया था। सौरभ ने 581 अंक बनाए और वह सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे।

एआईटीए को लगा झटका

भारतीय डेविस कप टीम को जाना होगा पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ पंचाट ने अखिल भारतीय टेनिस महासंघ की उस दलील को खारिज कर दिया है कि उसकी डेविस कप टीम को इस्लामाबाद में विश्व ग्रुप एक प्ले-ऑफ मुकाबले के दौरान सुरक्षा चिंताओं का सामना करना पड़ सकता है।

आईटीएफ पंचाट के इस फैसले से 60 साल में किसी भारतीय टेनिस टीम के लिए पहली बार पाकिस्तान के दौरे का रास्ता साफ हो गया। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान की यात्रा करने में विफल रहती है तो मेजबान देश को इस टाई का विजेता घोषित कर दिया जाएगा। इससे भारतीय टीम विश्व ग्रुप दो में खिसक जाएगी। भारत की डेविस कप टीम ने पिछली बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था जब उसने मेजबान टीम को 4-0 से हराया था। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने एजेंसी से आईटीएफ से उनकी अपील खारिज होने की पुष्टि की।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी

स्वीटी और पूजा रानी ने प्री क्वार्टर में दर्ज की जीत

एजेंसी ▶▶| ग्रेटर नोएडा

अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा और पूजा रानी ने महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को यहां विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीटी (81 किग्रा) ने जहां रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड की अल्फिया पर 4-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की वहीं एशियाई चैंपियनशिप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता पूजा ने 75 किग्रा भार वर्ग में नागालैंड की रेनू को आसानी से 5-0 से हराया।

स्वीटी और पूजा के अलावा हरियाणा की जिन अन्य मुक्केबाजों ने अंतिम 16 में जगह बनाई उनमें 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली मनीषा मौन (60 किग्रा) और सनेह (70 किग्रा) शामिल हैं। इस बीच आरएसपीबी की नूपुर ने 81 किग्रा से अधिक भार वर्ग में दिल्ली की हिमांशी अंतिल के खिलाफ आक्रामक करवाया अपनाया। रेफरी ने पहले राउंड में ही मुकाबला रोककर नूपुर को विजेता घोषित किया। अपराजिता मणि (57 किग्रा) और रिंकी शर्मा (63 किग्रा) ने क्रमशः महाराष्ट्र की आर्या बारटाके (5-2) और तमिलनाडु की वी मोनिशा (5-0) को हराया, जबकि रेखा (66 किग्रा) और दीपिका (75 किग्रा) ने तेलंगाना की पूजा बिस्वास और ओडिशा की सुनीता जेना के खिलाफ आरएससी से जीत दर्ज की।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पहली बार उसके घर में 9 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| नेपियर

बांग्लादेश को शनिवार को यहां तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हराने के लिए महज 15 ओवर लगे जिससे मेजबान टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की लय टूट गई। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में 44 रन और दूसरे वनडे में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

- न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश से 2-1 से जीती वनडे सीरीज

न्यूजीलैंड को 31.4 ओवर में महज 98 रन पर समेटने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने 42 गेंद में नाबाद 51 रन बनाए और अनामुल हक ने 33 गेंद में 37 रन का योगदान दिया जिससे बांग्लादेश ने 19 प्रयासों में न्यूजीलैंड पर वनडे में पहली जीत हासिल की। बांग्लादेश ने शनिवार को न्यूजीलैंड को दोनों टीमों के बीच हुए वनडे में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट किया।

तंजिम हसन साकिब ने 14 रन देकर तीन विकेट और शोरिफुल इस्लाम ने 22 रन देकर तीन विकेट झटके। सौम्य सरकार ने भी 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

मंगलवार से 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट पर भारतीय टीम प्रबंधन की चिंता

विकेटकीपिंग, प्रसिद्ध-मुकेश के बीच आदर्श विकल्प बना संशय

एजेंसी ▶▶| सेंचुरियन

हालात के अनुसार सर्वश्रेष्ठ संयोजन हमेशा टीम की सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं होती जिससे 'बॉक्सिंग डे' पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए सही संयोजन ढूंढना भारत के लिए निश्चित रूप से मुश्किल भरा काम होगा। कम से कम दो स्थान ऐसे होंगे जिसके लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को परेशानी होगी। सबसे मुश्किल भरा मुद्दा भारत के लिए यह होगा कि केएल राहुल को बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए विकेटकीपिंग करने को कहा जाएगा। इसके अलावा सबसे पेचीदा मुद्दा मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुनने का होगा जो टखने की चोट से उबर रहे मोहम्मद शमी की जगह लेंगे। देखा जाए तो कुछ फैसले सीधे लग सकते हैं लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चीजें उतनी आसान नहीं होगी।

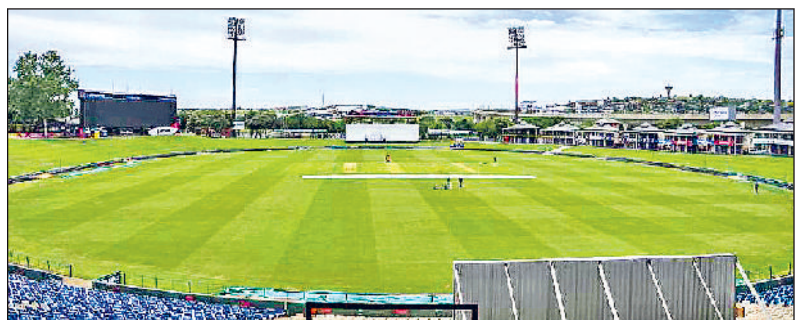

पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद

सेंचुरियन की पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद रही है जो सख्त और उछाल भरी है जिस पर नमी भी है और इससे दिन के दूसरे हिस्से में रिवर्स स्विंग में मदद मिलती है। अगर 'लेटरल मूवमेंट' की बात की जाए तो कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट पदार्पण कर चुके मुकेश सीधे अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं। लेकिन बंगाल का यह तेज गेंदबाज सफेद गेंद की श्रृंखला के दौरान सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखा है। वह 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 151 विकेट झटक चुके हैं। वह लंबे स्पैल डाल सकते हैं और रणजी ट्राफी क्रिकेट में चाय के बाद वह 'रिवर्स स्विंग' भी हासिल करने के लिए मशहूर हैं।

प्रसिद्ध की गेंदबाजी आदर्श

मुकेश के निकटतम प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ के पसंदीदा और बेंगलुरु के साथी प्रसिद्ध हैं जिनकी गेंदबाजी सुपरस्पोर्ट पार्क के लिए आदर्श है। वह 2015 में रणजी ट्राफी पदार्पण के बाद से 15 प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेले हैं और अगर शमी फिट होते तो उन्हें शामिल करने की बात ही नहीं होती। पर पोटचेफस्ट्रूम में पहले 'अनौपचारिक टेस्ट' में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए पांच विकेट लेकर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें पिच पर अधिक उछाल मिलने की उम्मीद है। लेकिन वह रन भी लुटा सकते हैं क्योंकि वह अपनी लाइन पर निरंतर नहीं रहते हैं।

काहिरा विश्व कप के लिए शॉटगन टीम को मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- पिस्टल, राइफल निशानेबाजों पर विचार जारी

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) जनवरी में काहिरा में सत्र के शुरुआती आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) विश्व कप में भाग लेने के लिए कई पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के अनुरोध पर विचार कर रहा है। एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह और सहायक सचिव निमित चोपड़ा ने इससे पहले शुक्रवार को कहा था कि व्यस्त कैलेंडर से खिलाड़ियों को विश्राम देने के लिए भारत इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग नहीं लेगा। एनआरएआई ने विश्व कप के लिए शॉटगन निशानेबाजों को पहले ही मंजूरी दे दी है जबकि राइफल और पिस्टल निशानेबाजों की प्रविष्टियाँ रोक दी गई है। पेरिस ओलंपिक नजदीक होने के कारण कई निशानेबाजों ने काहिरा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एनआरएआई की अनुमति मांगी थी ताकि वे अपनी रैंकिंग में सुधार कर सकें और चार साल में होने वाले खेलों के लिए दावेदारी पेश कर सकें। इसके लिए निशानेबाज अपनी जेब से भुगतान करने के लिए तैयार हैं। एनआरएआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने स्वीकार किया कि कई निशानेबाजों ने महासंघ को पत्र लिखकर काहिरा विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति मांगी है।

संसद के शीतकालीन सत्र का सत्रावसान हो गया है, लेकिन इस सत्र के दौरान घटित 'कृत्य' ने कई सवाल छोड़ गए हैं। इस सत्र के दौरान संसद पर हमले की बरसी के दिन धुआं कांड हुआ, जिससे संसद की सुरक्षा पर सवाल उठे। स्मोक बम के अलावा अगर सच में कोई विस्फोटक होता तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। खैर, आरोपी गिरफ्तार हैं व जांच जारी है। धुआं कांड को विपक्ष ने इस कदर मुद्दा बनाया और संसद में हांगामा किया कि संसद की कार्यवाही चलानी मुश्किल होती गई। विपक्षी सांसदों ने गृहमंत्री से बयान व इस्तीफे की मांग को लेकर संसद की शांति को भंग किया और आसन का अपमान किया। इसके बाद लोकसभा व राज्यसभा से दो दिन में 132 से अधिक सांसद निलंबित किए गए। इससे पहले भी 14 सांसद निलंबित किए गए थे। इस सत्र के दौरान कुल 146 विपक्षी सांसद सस्पेंड हो गए, जो किसी एक सत्र के दौरान निलंबन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके बाद से विपक्ष सरकार पर हमलावर है। इस विषय पर पेश है आजकल...

संसद की गरिमा से खिलवाड़ अस्वीकार्य

विश्लेषण

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। चुनावी जनादेश सभी निर्वाचित सांसदों ने हासिल किए थे। वे अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि हैं। यदि उन्हें ही लंबे समय के लिए संसद से बाहर निकाल देंगे, तो जनता से प्रतिनिधित्व का अधिकार छीनने जैसा है। एक सांसद औसतन 15 लाख लोगों का जन-प्रतिनिधि होता है। सदन में विरोध-प्रदर्शन करना या अवरोध पैदा करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यह नेता विपक्ष रहे अरुण जेटली और सुषमा स्वराज अक्सर कहा करते थे। आज दोनों दिवंगत हैं, लेकिन विपक्ष उनके कथनों को आज भी उद्धृत करता है। दोनों सदनों से 146 सांसद बाहर निकाल दिए गए, तो सदन खाली, विपक्ष-मुक्त लग रहे थे। यह अधूरा संसदीय लोकतंत्र है।

नया संसद भवन और नया, अभूतपूर्व आदेश...एक ही दिन में, एक साथ, लोकसभा और राज्यसभा के 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। उससे पहले 14 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जा चुका था। इस तरह संसद के शीतकालीन सत्र में ही कुल 92 विपक्षी सांसदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। यदि सिलसिला यहीं थम जाता, तो गनीमत होती, लेकिन अगले ही दिन 49 सांसदों की बारी आई, जिन्हें निलंबित किया गया। इस तरह कुल मिला कर लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46, यानी 146, सांसदों को सत्र भर के लिए निलंबित किया गया। बेशक लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति को कुछ विशेषाधिकार हासिल हैं। मैं 1997 से लोकसभा कवर करता रहा हूं। सदन में हंगामा, नारेबाजी, पोस्टरबाजी और अध्यक्ष के आसन तक जाने का विरोध-प्रदर्शन कब नहीं किए गए? जब भाजपा विपक्ष में थी, तो कई घोटालों पर, कई दिन तक, संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी थी। हंगामे इतने उग्र और बुलंद होते थे कि मीडिया में ऐसे संपादकीय छपा करते थे-संसद को अखाड़ा मत बनाएं। यह संसद है या कोई मंडी...! संसद का औचित्य ही क्या है, लेकिन ऐसे अतिवादी आदेश कभी नहीं दिए गए कि विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए ही निलंबित कर दिया गया हो। जैसा इस बार हुआ है।

सबसे ज्यादा सांसद निलंबित

1989 में केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो पीठासीन अध्यक्ष ने 63 लोकसभा सांसदों को निलंबित किया था। वह भी पराकाष्ठा थी, लेकिन कुछ ही दिनों में सभी सांसद सदन में दिखाई दे रहे थे। उसके बाद 2004-मई, 2014 के दौरान कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के 10 सालों में भी 50 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया, लेकिन 2014-23 के कालखंड में मोदी सरकार के दौरान करीब 250 विपक्षी सांसदों का निलंबन किया जा चुका है। शीतकालीन सत्र ही मौजूदा लोकसभा का अंतिम सत्र था। उसके बाद बजट सत्र जरूर होगा, लेकिन लेखानुदान पारित करने के लिए ही होगा, ताकि सरकारी खर्च के लिए वित्तीय संसाधन मिलते रहें। संपूर्ण बजट जुलाई, 2024 में नई सरकार पेश करेगी। बेशक विपक्ष ने अमर्यादित आचरण किए थे। हंगामा ही नहीं, आक्रोश और गुस्से में, राज्यसभा में, नियमों की किताब तक फाड़ दी गई। आसन के माइक उखाड़ने तक की हरकतें की गईं। मेजों पर चढ़कर सांसदों ने नृत्य किए, हुड़दंग मचाए। इस तरह नियम 374ए का लगातार उल्लंघन होता रहा। यहां तक कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति जगदीप धनखड़ का निर्देश मानने से इनकार कर दिया। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता, एक किस्म के नेता प्रतिपक्ष, अधीर रंजन चौधरी तक को निलंबित कर दिया गया। क्या निलंबन भी एक राजनीतिक मुद्दा बनाया गया? अथवा कई विपक्षी उन्हें निलंबित कर बाहर भेजने के आग्रह भी कर रहे थे? ऐसा संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का आरोप है कि खुद विपक्षी निलंबित होकर बाहर जाने के इच्छुक थे।

1989 में केंद्र में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो पीठासीन अध्यक्ष ने 63 लोकसभा सांसदों को निलंबित किया था, लेकिन कुछ ही दिनों में सभी सांसद सदन में दिखाई दे रहे थे। सांसदों का निलंबन अनुचित जरूर है, लेकिन निलंबित सांसदों को भी अपने गिरेबान में झांकना होगा कि वे अपने आचरण के पैमाने पर कहां टिकते हैं? लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति को निष्पक्षता से दायित्व निभाना चाहिए।

दमदार विपक्ष जरूरी

दरअसल मैं कोई न्यायाधीश नहीं हूं, लेकिन संसद और लोकतंत्र का सजग प्रहरी जरूर हूं। विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। चुनावी जनादेश सभी निर्वाचित सांसदों ने हासिल किए थे। वे अपने क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि हैं। यदि उन्हें ही लंबे समय के लिए संसद से बाहर निकाल देंगे, तो जनता से प्रतिनिधित्व का अधिकार छीनने जैसा है। एक सांसद औसतन 15 लाख लोगों का जन-प्रतिनिधि होता है। सदन में विरोध-प्रदर्शन करना या अवरोध पैदा करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। यह नेता विपक्ष रहे अरुण जेटली और सुषमा स्वराज अक्सर कहा करते थे। आज दोनों दिवंगत हैं, लेकिन विपक्ष उनके कथनों को आज भी उद्धृत करता है। दोनों सदनों से 146 सांसद बाहर निकाल दिए गए, तो सदन खाली-खाली, विपक्ष-मुक्त लग रहे थे। यह अधूरा संसदीय लोकतंत्र है। हंगामी सांसदों को कुछ देर के लिए, बेशक एक दिन के लिए, निलंबित कर सदन से बाहर किया जा सकता था। सत्र समापन की ओर था, जब यह कार्रवाई की गई। ध्वनि-मत से तीन आपराधिक कानून पारित किए गए,जबकि ये संशोधन ऐतिहासिक हैं। आईपीसी, सीआरपीसी सरीखे ब्रिटिशकाल के कानूनों को खत्म किया गया है और नई 'न्याय प्रणाली'बनाई गई है, लेकिन विपक्ष इन संशोधन-कानूनों की बहस में हिस्सा नहीं ले सका, यह संसदीय विडंबना से कम नहीं है। हमारे संविधान और लोकतंत्र में 'विपक्ष-मुक्त' संसद की कोई भी कल्पना नहीं है।

बेमानी तर्क

चूंकि लोकसभा में दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगाकर संसद की कार्यवाही में घुसपैठ की थी, लिहाजा विपक्ष की यह मांग जायज थी कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में वक्तव्य दें। यह तर्क बेमानी है कि संसद परिसर लोकसभा के स्पीकर के अधीन काम करता है, लिहाजा स्पीकर ही बयान देंगे। वह जो कुछ कह सकते थे, उन्होंने कहा और लोकसभा में विभिन्न दलों के नेताओं से विमर्श भी किया, लेकिन देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रभारी गृह मंत्री ही होते हैं। उन पर समूचे देश का दायित्व है, जिसमें संसद परिसर भी शामिल है। यदि गृह मंत्री लोकसभा में बयान देते, तो उनसे सुरक्षा-व्यवस्था पर कुछ सवाल भी किए जा सकते थे। मसलन-नये संसद भवन में प्रवेश को तीन माह बीत चुके है, लेकिन संसदीय सुरक्षा के प्रभारी, आईपीएस अधिकारी, संयुक्त सचिव की नियुक्ति क्यों नहीं की गई? संसद परिसर की 4-परतीय जांच धातु पर ही आधारित है। उसके रडार पर जूते,प्लास्टिक, रबड़ की वस्तुएं नहीं आतीं। हवाई अड्डे की सुरक्षा-जांच में सब कुछ सामने आ जाता है, तो संसद परिसर में क्या दिक्कत है? अब बताया जा रहा है कि फुल बॉडी स्कैनर स्थापित किए जाएंगे, जिसमें व्यक्ति की आदमकद छाया आईने की तरह साफ़ दिखाई देगी। कुछ पुराने सुरक्षा-उपकरणों को भी बदला जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सांसद का सिफारिशी पत्र होता है, जिसके आधार पर किसी को भी संसद की 'दर्शक-दीर्घा' में प्रवेश की अनुमति मिलती है। सांसदों के लिए भी आचार-संहिता तय की जानी चाहिए। विपक्ष ने संसद की सुरक्षा में ऐसी आक्रामक घुसपैठ पर ही अपनी चिन्ता और अपने सरोकार जताए थे। हालांकि विपक्ष गृह मंत्री का इस्तीफा भी मांग रहा था। संसद सत्र का समापन हो गया, लेकिन गृह मंत्री ने इस संबंध में कोई बयान तक नहीं दिया। जांच-रपट की प्रतीक्षा की जा रही है। न जाने रपट कब तक आएगी? तीन महीने बाद तो आम चुनाव हैं।

विपक्ष की कोशिश

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन ने जंतर-मंतर पर और देश के प्रमुख शहरों में विरोध-प्रदर्शन किए हैं। वे इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं, लिहाजा निलंबन को 'लोकतंत्र की हत्या' तक करार दे रहे हैं। विपक्ष ने एक भद्दी राजनीति भी की है, जब संसद के परिसर में ही, संसद के प्रवेश द्वार पर बैठ कर निलंबित सांसदों ने उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की 'मिमिक्री' की, मज़ाक उड़ाया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उप राष्ट्रपति की भाव-भंगिमाओं की नकल की और अन्य सांसद ठहाके लगाते रहे। संसद परिसर में सांसदों का यह व्यवहार अक्षम्य है। उप राष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। प्रथम दोनों संवैधानिक पदों पर आसीन चेहरे का कॉर्टून बनाना भी गलत है। यह संविधान और लोकतंत्र दोनों का अपमान है।

संस्कारों पर सवाल

संसद परिसर किसी विदूषक, कॉमेडियन, जोकर या नकलची का मंच नहीं है। निलंबित सांसदों को विरोध-प्रदर्शन करना था, तो वे 'विजय चौक' अथवा 'राष्ट्रपति भवन' तक पहले भी मार्च निकाल सकते थे। क्या संसद में सांसदों के इतने उथले और आपत्तिजनक संस्कार होने चाहिए? उप राष्ट्रपति का ऐसा अपमान संसद परिसर में मैंने कमोबेश नहीं देखा, लेकिन इसे जाट और किसान से जोड़ना इस पद की गरिमा को कम करना होगा। निलंबित सांसद सभापति और स्पीकर के फैसलों से असहमत और असंतुष्ट हो सकते हैं, लेकिन संवैधानिक गरिमा से खिलवाड़ करना अस्वीकार्य है। संसद की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाना सत्ता पक्ष का दायित्व है, लेकिन उसमें विपक्षी सांसदों का भी सहयोग अपेक्षित है। विपक्षी सांसद विरोध के लिए विरोध भाव से वशीभूत होकर संसद में अव्यवस्था नहीं फैला सकते। आसन के पास जाकर हुड़दंग मचाना, माइक तोड़ना, तख्ती लहराना, वेल में हंगामा करना, भाषण के दौरान हूटिंग व नारेबाजी करना आदि अशोभनीय आचरण सांसद के नहीं होने चाहिए। क्या हमारे सांसद अपने ही कार्यस्थल की गरिमा का ध्यान नहीं रख सकते। क्या शांति से अपने स्थान से अपनी बात नहीं रखी जा सकती है? विपक्षी सांसद अपने आचरण से आवाम को क्या संदेश दे रहे हैं? सांसद सदन को अखाड़ा न बनाएं, इसे संसद ही रहने दें। सांसदों का निलंबन अनुचित जरूर है, लेकिन निलंबित सांसदों को भी अपने गिरेबान में झांकना होगा कि वे अपने आचरण के पैमाने पर कहां टिकते हैं? लोकसभा अध्यक्ष व राज्यसभा सभापति को राजनीतिक निष्ठा से ऊपर उठकर निष्पक्षता से सदन को चलाने का दायित्व निभाना चाहिए। पक्ष, विपक्ष व निष्पक्ष सभी अपने दायित्वों को समझें और संसद की प्रतिष्ठा कायम रखने में सहयोग करें।

क्या आप इस संसद को पहचानते हैं

जिरहनामा

कुमार प्रशांत
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेसमुक्त भारत बनाने की बदहवास होड़ को यही रास्ता पकड़नी था। देश भी तेजी से कांग्रेसमुक्त हो रहा है; संसद भी विपक्ष मुक्त हो गई है। संविधान में ऐसी मुक्ति की कोई कल्पना नहीं है। वहां तो संसदीय लोकतंत्र का आधार ही पक्ष-विपक्ष दोनों है। विपक्ष अपने कारणों से चुनाव न जीत सके तो वह जाने, लेकिन जो और जितने जीत कर संसद में पहुंचे हैं, उन्हें पूरे अधिकार व सम्मान के साथ संसद में रखना सत्तापक्ष का लोकतांत्रिक दायित्व है। लोकसभा का अध्यक्ष इसी काम के लिए रखा जाता है कि वह संसदीय प्रणाली व सांसदों की गरिमा का रक्षक बनकर रहेगा, लेकिन हम यह नया भारत देख रहे हैं। इसमें भारत कहां है यह भी खोजना पड़ता है, इस नए भारत की संसद में विपक्ष कहां है, यह भी खोजना पड़ता है। एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में हम अपने अस्तित्व की ऐसी शानदार जगह पर आ पहुंचे हैं जहां से वह हर कुछ खोजना पड़ रहा है, जिसकी दावेदारी तो बहुत हो रही है लेकिन दिखाई कुछ भी नहीं देता है।

पहली बार नहीं

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि विपक्ष ने संसद चलने में इतनी बाधा पैदा की कि उन्हें दंडित करना पड़ा। 60 के दशक से पहले अध्यक्ष की अपील व झिड़की काफी होती थी कि संसद के कामकाज में बाधा डालने वाला रास्ते पर आ जाता था। 60 के दशक में विपक्ष ने भी अपने अधिकारों की मांग शुरू की। उसका स्वर तीखा होता गया। 70 के दशक में कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के मनमाने रवैये के सामने गूंगे रह कर विपक्ष को संसद से बाहर कर दिया था, लेकिन वह आपातकाल का संदर्भ था। जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी, तब उसने संसद को अटकाने को हथियार की तरह बरतना शुरू किया। संसद की ऐसी-तैसी करते हुए भाजपा के अरुण जेटली व सुषमा स्वराज्य ने ऐसे बर्ताव को विपक्ष का जायज हथियार बताया था। उस वक्त के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने संसद को बंधक रखने जैसी प्रवृत्ति पर गहरा असंतोष व्यक्त किया था, लेकिन जब आप फिसलन पर पांव धरते हैं तब गिरावट आपके काबू में नहीं रहती है।

सामान्य शील भी खत्म

2014 के बाद से संसद का सामान्य शील भी खत्म हो गया और इस बार इसे विपक्ष ने नहीं, सत्तापक्ष ने खत्म किया। अगर यह सत्ता पक्ष को पता हो कि जो सत्ता हाथ आई है, उसके पीछे आत्मबल नहीं, तिकड़में हैं। तिकड़म का चरित्र ही यह है कि वह कब छल कर जाए, आपको पता भी नहीं चले, इसलिए रणनीति यह बनती है कि हर विपक्ष व हर असहमति को इतना गिरा दो, पतित कर दो कि उसके उठने की संभावना ही न बचे। विपक्ष, संवैधानिक संस्थाओं, स्वतंत्र जनमत, मीडिया, राज्य सरकारों आदि का ऐसा श्रीहीन अस्तित्व पहले कभी नहीं था। विपक्ष, जिसने 60-65 सालों तक देश चलाया है, अगर देशद्रोही, भारत का दुश्मन, विभाजनकारी ताकतों का सफरमैना तथा भ्रष्टाचारियों का सरदार होता, तो क्या आपको वैसा देश मिलता जैसा मिला? आप चुनाव जीत सके, प्रधानमंत्री बन सके, यही इस बात का प्रमाण है कि विपक्ष पर लगाए आपके आरोप बेबुनियाद हैं। विपक्ष दूध का धुला है, ऐसा कोई नहीं कहेगा लेकिन आपका दूध शुद्ध है, ऐसा भी तो कोई नहीं कहता है।

सत्तापक्ष की जिम्मेदारी

आप यह जरूर कह सकते हैं कि आजादी के बाद से अब तक विपक्ष ने जैसी सरकार चलाई, जैसा समाज बनाया उससे भिन्न व बेहतर सरकार व समाज हम बनाएंगे। लोकतंत्र में सार्वजनिक विमर्श का सुर व स्तर सत्तापक्ष निर्धारित करता है, विपक्ष उसका अनुसरण करता है। संसद जिस स्तर तक गिरती है, देश का सार्वजनिक विमर्श भी उतना ही गिरता है। संसद के दोनों सदनों में अध्यक्ष का पहला व अंतिम दायित्व एक ही है : सदस्यों का विश्वास हासिल करना तथा सदस्यों का संवैधानिक संरक्षण करना। प्रत्यक्ष या परोक्ष पक्षपात आपकी नैतिक पकड़ कमजोर करता जाता है। यह सच छिप नहीं सकता है कि विपक्ष संख्याबल में कमजोर है जिसे आप बराबरी का अधिकार व अवसर न देकर लगातार कमजोर करते जा रहे हैं। आपके ऐसे रवैये से विपक्ष का जो हो सो हो, सदन लगातार खोखला होता जा रहा है। वहां व्यक्तिपूजा, नारेबाजी, जुमलेबाजी तथा तथ्यहीनता का गुबार गहराता जा रहा है। ऐसी संसद न तो सदन के भीतर और न बाहर लोकतंत्र को मजबूत व समृद्ध कर सकती है। संविधान इस बारे में गूंगा नहीं है भले हम उसकी तरफ से मुंह फेर कर, निरक्षर व सूरदास बन गए हैं। संविधान के सामने सर झुकाना व संविधान का गला काटना इतिहास में कई बार हुआ है।

18 दिसंबर ऐतिहासिक दिन

18 दिसंबर 2023 एक ऐतिहासिक दिन बन गया है। इस दिन से एक सिलसिला शुरू हुआ है जो अब तक 146 सांसदों को दोनों सदन से बाहर निकाल चुका है। ये सारे निलंबन अनुशासन के नाम पर किए गए हैं। अचानक इतने सारे अनुशासनहीन सांसद कहां से आ गए? पहले से सब ऐसे ही थे तो अब तक सदन चल कैसे रहा था? पहले से नहीं थे तो इन्हें अनुशासनहीन बनाने की स्थिति किसने पैदा की? हर निलंबित सदस्य दोनों अध्यक्षों की क्षमता पर भी और उनकी मंशा पर भी सवाल खड़े करता है। संसदीय लोकतंत्र के प्रति आपकी प्रतिबद्धता कैसी है, यह कैसे आंकेंगे हम? आपके व्यवहार से ही न! विपक्ष के इतने सदस्यों को निलंबित कर देने के बाद संसद में संवेदनशील बिल पेश और पारित भी किए जाते रहे, तो यह मंजर ही घोषणा करता है कि संसदीय लोकतंत्र का शील आपको छू तक नहीं गया है।

नए सिरे से विमर्श

विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के अलावा कोई रास्ता ही नहीं था, सत्तापक्ष का ऐसा तर्क मान भी लें हम तो संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुरूप यह तो किया ही जा सकता था कि इतने निलंबन के बाद संसद की बैठक स्थगित कर दी जाती और विपक्ष के साथ नए सिरे से विमर्श किया जाता कि अब संसद का काम कैसे चलेगा? संसदीय लोकतंत्र का एकमात्र संप्रभु मतदाता है, जिसने वह संविधान रचा है जिससे आप अस्तित्व में आए हैं। उसने जैसे आपको चुनकर संसद में भेजा है वैसे ही उसने विपक्ष को भी चुन कर संसद में भेजा है। दोनों की हैसियत व अधिकार बराबर हैं और दोनों के संरक्षण की संवैधानिक जिम्मेदारी अध्यक्षों की है, इसलिए अध्यक्षों को यह भूमिका लेनी चाहिए थी कि भले किसी भी कारणवश इनका निलंबन हुआ हो, इनको चुनने वाले मतदाता का अपमान हम नहीं कर सकते, सो संसद स्थगित की जाती है। ऐसा होता तो दोनों अध्यक्ष इस परिस्थिति को एक सुंदर मोड़ दे सकते थे। क्या अब संसद में कौन रहेगा, इसका फैसला मतदाता नहीं, संसद का बहुमत करेगा? यह संविधान की लक्ष्मण-रेखा का उल्लंघन है। यह तो नई ही स्थापना हो गई कि विपक्षविहीन संसद वैध भी है और हर तरह का निर्णय करने की अधिकारी भी है। फिर संसद की कैसी तस्वीर बनती है और संविधान का क्या मतलब रह जाता है? इसका जवाब इस संसद के पास तो नहीं है।

सांसद अपने आचरण को आदर्श बनाएं

दो टूक

राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में, और बाहर भी, जैसी राजनीतिक गर्मी दिखाई दी, उससे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की साख बढ़ी तो हरगिज नहीं। भारत की आजादी के अमृतकाल में हमने देखा कि संसद के दोनों सदनों के दो-चार नहीं, 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस मुक्त भारत का नारा राजनीतिक माना जा सकता है, पर विपक्ष मुक्त संसद की बात कोई सोच भी नहीं सकता है। विपक्ष के बिना संसदीय लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। तब हमने अपने संसदीय लोकतंत्र की कैसी तस्वीर दुनिया के सामने पेश की? बेशक इससे पहले भी सांसद सदन से निलंबित किये जाते रहे हैं, पर इतनी बड़ी संख्या में पूरे सत्र के लिए निलंबन पहली बार हुआ। हर विवाद की तरह इसमें भी दो पक्ष हैं। सत्ता पक्ष का तर्क है कि विपक्ष तयशुदा रणनीति के तहत सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा था, इसलिए लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति अथवा उनके प्रतिनिधि के रूप में आसन पर विराजमान पीठासीन अधिकारियों के पास कोई और विकल्प ही नहीं रह गया था। दूसरी ओर विपक्ष का आरोप है कि निलंबन पूरी तरह अवांछित था, जिसके मूल में सरकार की मंशा विपक्ष की अनुपस्थिति में मनमाने ढंग से विधायी कार्य निपटा लेना था। सच शायद इन दोनों तर्कों के बीच कहीं है, क्योंकि संख्या गणित सरकार के पक्ष में हो तो विपक्ष चर्चा के दौरान शाब्दिक तीर चलाने के अलावा कुछ और कर ही नहीं सकता।

तकरार विधायी कार्य पर नहीं

यह भी जगजाहिर है कि तकरार किसी विधायी कार्य को लेकर नहीं हुई। जिस मुद्दे पर तकरार इस हद तक पहुंच गई, वह संसद और सरकार ही नहीं, पूरे देश को शर्मसार करने वाला रहा है। 13 दिसंबर, 2001 को भारत की संसद पर किए गए हमले से तो सबक सीखना दूर, विदेश में बैठे एक अलगाववादी द्वारा इस साल उसी दिन हमले की धमकी के बावजूद हम संसद की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाए। ऐसे में सवाल तो उठेंगे ही। संसद की सुरक्षा में चूक पर ही विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री से बयान चाहता था, पर सत्ता पक्ष ने उसे अनावश्यक रूप से नाक का सवाल बना लिया। तर्क दिया कि संसद की सुरक्षा लोकसभा सचिवालय के अधिकार क्षेत्र में है, और लोकसभा अध्यक्ष बयान दे चुके हैं, जांच के लिए समिति गठित की जा चुकी है। तकनीकी रूप से तर्क सही हो सकता है, पर क्या संसद देश के अंदर ही नहीं है, और क्या देश की सुरक्षा के लिए गृह मंत्री जिम्मेदार और जवाबदेह नहीं हैं? यह भी कि अजीब-सी गैस के साथ दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूदने वाले दोनों युवा आये तो संसद भवन के बाहर से ही थे। जाहिर है, इस कार्रवाई को अंजाम देने की साजिश भी संसद भवन के बाहर ही बनी होगी। तब उस सबसे गाफिल रहने के लिए कौन जिम्मेदार और जवाबदेह है?

सवाल भटकाना सुशासन नहीं

दरअसल हर मुश्किल सवाल को तकनीकी गलियों में भटका देना राजनीतिक चातुर्य तो हो सकता है, पर सुशासन नहीं, इसलिए सदन के बाहर बोलने के बजाय गृह मंत्री को सदन में वही बात कह देनी चाहिए थी, जो सत्ता पक्ष उनके बयान न देने के पक्ष में तर्क के रूप में कहता रहा। गृह मंत्री बयान दे देते तो जाहिर है कि विपक्ष को हंगामा करने का मौका ही नहीं मिलता। हां, इतना अवश्य होता कि उस बयान के बाद बोलने का मौका मिलने पर विपक्षी सदस्य संसद की सुरक्षा में चूक के लिए सरकार को कटघरे में खड़ा करते, पर अब तो सरकार संसद की सुरक्षा में चूक और विपक्षी सांसदों के रिकॉर्ड संख्या में निलंबन दोनों मुद्दों पर कटघरे में खड़ी नजर आ रही है। सवाल पूछने वाले विपक्षी सांसदों को आनन-फानन में निलंबित किया जाता रहा, पर उस भाजपा सांसद से कोई पूछताछ भी नहीं हुई, जिसके नाम पर जारी पास पर वे युवा आए थे। ऐसा क्यों? संसदीय लोकतंत्र की प्रचलित मान्यता है कि सदन चलाना सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है। बेशक, सदन तभी सुचारू रूप से चल पाएगा, जब दोनों पक्ष गंभीरता से अपनी-अपनी भूमिका का निर्वाह करेंगे, लेकिन उसके लिए गंभीर और ईमानदार पहल करने की जिम्मेदारी निश्चय ही सत्ता पक्ष की है। संसदीय लोकतंत्र का तकाजा भी यही है।

राजनीति की गरिमा गिरी

उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की सदन के बाहर निलंबित तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल उतारने के प्रकरण से भी भारतीय राजनीति की गरिमा गिरी ही है। कल्याण बनर्जी के उस अवांछित कृत्य को हास-परिहास के नजरिये से लेकर नजरअंदाज भी किया जा सकता था, लेकिन उसे न सिर्फ उपराष्ट्रपति, बल्कि जाट व किसान समुदाय का अपमान बताकर बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। इस नजरिये से तो भाजपा सांसद रमेश विधूड़ी द्वारा सदन के अंदर ही बसपा सांसद दानिश अली के लिए सांप्रदायिक आधार पर आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल से पूरे मुस्लिम समुदाय का अपमान हुआ। उसके लिए क्या दंड और प्रायश्चित तय किया गया है? एक तरफ तो जातिवाद मिटाने की बातें की जाती हैं, दूसरी ओर एक उच्च संवैधानिक पद आसीन व्यक्ति की जातीय पहचान के जरिये, संभवतः अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर, चुनावी मुद्दे को धार दी जा रही है। बिहार में जातीय सर्वे के आंकड़ों के जरिये विपक्ष ने हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जातीय जनगणना को मुद्दा बनाना चाहा, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नजर में गरीब, महिला, किसान और युवा को ही जाति मानते हुए विपक्ष की तीखी आलोचना की थी। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिला शानदार बहुमत बताता है कि मतदाताओं ने मोदी की सोच को मान्यता भी दी है। फिर उन्हीं की सरकार और पार्टी की ओर से, विपक्ष के एक निलंबित सांसद द्वारा उप राष्ट्रपति की सदन के बाहर उतारी गई नकल को उनकी जाति का अपमान बताना कई प्रतिकूल, मगर स्वाभाविक सवालों को ही जन्म देता है। क्या कभी सत्ता पक्ष के नेताओं-प्रवक्ताओं ने विपक्ष के नेताओं की संसद के अंदर या बाहर नकल नहीं उतारी? क्या नकल उतारने या अशोभनीय टिप्पणियां करने से विपक्ष के नेताओं का अपमान नहीं होता? क्या सिर्फ पद की गरिमा होती है, व्यक्ति की कोई गरिमा नहीं? बेशक चुनावी जंग संसदीय लोकतंत्र का अंग है, पर सदैव जंगी मानसिकता से संसदीय लोकतंत्र नहीं चलाया जा सकता। समय-समय पर दलों-नेताओं की भूमिकाएं बदलती भी रहती हैं, इसलिए याद रखना चाहिए कि असहमति की गुंजाइश और राजनीतिक विरोधी का भी सम्मान, संसदीय लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त हैं। राजनीति संसद के अंदर नहीं होनी चाहिए। विपक्ष को संसद में हर कार्य अपनी राजनीति चमकाने की सोच के साथ नहीं करना चाहिए। सत्ता पक्ष का दायित्व जरूर ज्यादा है, पर विपक्षी सांसद अपने संसदीय कृत्य से भाग नहीं सकते। हमें संसदीय भाषा, सांसदों के आचरण, संसद में विमर्श का स्तर, पक्ष व विपक्ष के बीच संवाद आदि को श्रेष्ठ बनाने की जरूरत है। संविधान व लोकतंत्र का संरक्षण आवश्यक है।

...शुभ मुहूर्त
एक मिनट 24 सेकेंड में पूरी होगी रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा

दोपहर 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकेंड से मूल मुहूर्त होगा, जो 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकेंड तक चलेगा

अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा महज 1 मिनट 24 सेकेंड में होगी। काशी के पंडितों ने यह मुहूर्त तय किया है। द्रविड़ बंधु पं. गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ और पं. विश्वेश्वर शास्त्री ने बताया कि 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकेंड से मूल मुहूर्त होगा, जो 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकेंड तक चलेगा। यानी कुल 1 मिनट 24 सेकेंड का ही प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त होगा। इस मुहूर्त की शुद्धि भी की जाएगी। मुहूर्त शुद्धि का समय 20 मिनट का होगा। यह 19 जनवरी की शाम 6 बजे से शुरू होगा, जो 6 बजकर 20 मिनट तक चलेगा। इसके बाद 20 जनवरी को सूर्योदय से पहले मुहूर्त शुद्धि का संकल्प होगा। पंडित गणेश्वर शास्त्री ने ही काशी कॉरिडोर के लोकार्पण और राम मंदिर शिलान्यास का मुहूर्त तय किया था।

नक्कासी में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने वाले 16 गुण झलकेंगे, 25 फीट दूर से दर्शन होंगे

भारत में मंदिर डिजाइन करने की 16 शैलियां हैं। इनमें 3 प्रमुख हैं। उत्तर भारत में नागर शैली, दक्षिण में द्रविड़ और मध्य-पूर्व भारत में पैगोडा शैली। अयोध्या मंदिर नागर शैली में है। आठ दिशाएं, अष्ट भुजाएं और विष्णु के आठ स्वरूपों को ध्यान में रखकर गर्भगृह अष्टकोण बनाया गया है। नक्काशी में भगवान श्रीराम के वो 16 गुण नजर आएंगे, जिनकी बदौलत वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। गर्भगृह इस तरह बनाया है कि भक्तों को 25 फीट दूर से रामलला के दर्शन हो सकें। मंदिर पूरी तरह तैयार होने में 1 साल और लगेगा। अयोध्या कॉरिडोर बनने में भी डेढ़ से 2 साल लगेंगे।

खबर संक्षेप

राज्यसभा की 4 सीटों के लिए 19 को होगा चुनाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 4 सीटों के लिए चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया। दिल्ली की तीन और सिक्किम की एक राज्यसभा सीट के लिए 19 जनवरी को चुनाव होगा। नामांकन प्रक्रिया 2 जनवरी को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। उम्मीदवार 9 जनवरी तक पर्चा दाखिल कर सकते हैं। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। गिनती शाम 5 बजे होगी।

फेमस यूट्यूबर कामिया के मंदिर प्रवेश पर बवाल

नई दिल्ली। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर पर एक वीडियो बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और फेमस यूट्यूबर कामिया जानी के मंदिर में प्रवेश करने को लेकर बवाल हो गया है। जगन्नाथ मंदिर से जुड़े वीडियो पर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है कि जानी की गिरफ्तारी की मांग होने लगी है। बीजद- भाजपा में तकरार हो गई है। अब दोनों आमने-सामने हैं।

ईडी ने धनशोधन में तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी है। तीनों को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। तीनों गिरफ्तार किए गए लोगों की अब तक पहचान नहीं की गई है।

गाय चोरी के आरोप में 2 लोगों की पीटकर हत्या

कोलकाता। केंद्र सरकार द्वारा क्रिमिनल लॉ में संशोधन के दो दिन के अंदर ही पश्चिम बंगाल में मॉब लिंचिंग की बड़ी घटना घटी है। बर्दवान जिले के जमालपुर में गाय चोरी करने के आरोप में उत्तेजित भीड़ ने दो लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। संसद में क्रिमिनल लॉ में संशोधन विधेयक पारित किया गया है।

अमित शाह ने दिया मंत्र, सरकार के अच्छे कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाएं

2024 लोकसभा चुनाव और राम मंदिर के उद्घाटन पर व्यापक चर्चा

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लिया और पार्टी नेताओं के साथ बातचीत की। बैठक के दूसरे और आखिरी दिन शाह दोपहर में यहां भाजपा मुख्यालय पहुंचे। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा भी उपस्थित थे। इसमें पार्टी की सभी राज्य इकाइयों के प्रमुख भी भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बंद कमरे में हुई एक बैठक को संबोधित किया था। इस दौरान पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए अपनी संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। आधिकारिक रूप से यह नहीं बताया गया कि बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान मोदी या नड्डा ने क्या कहा। लेकिन सूत्रों ने कहा कि पार्टी नेताओं के लिए सामान्य संदेश यह था कि चुनाव की घोषणा से पहले बचे तीन महीनों में सरकार के अच्छे कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाएं।

लोकसभा चुनावों के लिए संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लिया

पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद पहली बैठक

देश में चल रही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को लेकर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया के बारे में शुक्रवार को बैठक में चर्चा की गई। यह केंद्र सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य अपनी कई कल्याणकारी योजनाओं की अहर्ता वाले लाभार्थी तक पहुंच सुनिश्चित करना है। भाजपा ने अपने सदस्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि अधिक से अधिक संख्या में लोगों को इसका लाभ मिले। चुनाव नतीजों ने, खासकर तीन हिंदी भाषी राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली जीत ने पार्टी का मनोबल बढ़ाया है। वह तीसरी बार केंद्र में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

बंद कमरे में बैठक, अमित शाह ने दिया समापन संबोधन

दिल्ली में भाजपा की दो दिनों से चल रही बैठक शनिवार शाम को खत्म हो गई। 3 राज्यों में विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद पार्टी नेताओं की यह पहली बड़ी बैठक थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को शुरु हुई मीटिंग में शामिल हुए थे। समापन सत्र गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन के साथ समाप्त हुआ। 22 दिसंबर को शुरू हुई बैठक का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय नेता, राज्यों के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव और अन्य प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में किस विषय पर चर्चा हुई, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों, 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को लेकर प्रस्तावित कार्यक्रमों और अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन पर चर्चा हुई।

लोकसभा में 150 नए प्रत्याशी उतार सकती है भाजपा

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जीत के बाद यह पार्टी की पहली बड़ी बैठक है। बैठक में जीत की रणनीतियों पर इन राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों ने प्रेजेंटेशन दिया। इसके आधार पर ही आगे लोकसभा के टिकटों को लेकर फार्मूला तय हो सकता है। इसमें जातीय समीकरण और महिलाओं पर फोकस रहेगा। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में जुटी भाजपा एक साथ कई फॉर्मूलों पर काम कर रही है। पार्टी में मौजूदा सांसदों के टिकट काटने से लेकर नए चेहरों को मौका देने तक पर मंथन जारी है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी आजादी के 100वें साल तक संसद में युवा प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए काम कर रही है। चुनाव में भाजपा 150 नए प्रत्याशी उतार सकती है। इनमें 41 से 55 साल की उम्र के प्रत्याशियों की संख्या ज्यादा होगी।

मध्य प्रदेश और राजस्थान कैबिनेट पर भी फैसला बाकी

बैठक से अलग मध्य प्रदेश और राजस्थान के मंत्रिमंडल विस्तार और छत्तीसगढ़ में विभागों के बंटवारे पर भी पार्टी अध्यक्ष नड्डा प्रधानमंत्री और अमित शाह से चर्चा करेंगे। पार्टी ने मध्य प्रदेश में मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनाया है। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस दौरान डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला भी मौजूद थे। उधर, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने 21 दिसंबर को अपने मंत्रिमंडल को लेकर दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। इस दौरान डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा भी मौजूद थे। छत्तीसगढ़ में 22 दिसंबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण हो गया है। विभागों का बंटवारा बाकी है।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस प्रभारी बदले

प्रियंका से यूपी की जिम्मेदारी वापस ली, पायलट को छत्तीसगढ़ का जिम्मा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कई राज्यों के प्रभारी बदल दिए हैं। कुछ नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा को यूपी कांग्रेस प्रभारी पद से मुक्त कर दिया गया है, हालांकि वे महासचिव बनी रहेंगी। प्रियंका की जगह अविनाश पांडे को यूपी की जिम्मेदारी दी गई है। उधर, सचिन पायलट छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी बने हैं। रमेश चेन्निथला को महाराष्ट्र, देवेंद्र यादव को पंजाब और रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक का प्रभार मिला है। जयराम रमेश कम्युनिकेशन, मुकुल वासनिक संगठन के महासचिव और माणिकराव ठाकरे को गोवा की जिम्मेदारी दी गई है। असम के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह को मध्य प्रदेश और दीपक बाबरिया के पास दिल्ली और हरियाणा का अतिरिक्त प्रभार है। जीए मीर झारखंड के प्रभारी महासचिव बने हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल का अतिरिक्त प्रभार दिया है। दीपा दासमुंशी को तेलंगाना के अतिरिक्त प्रभार के साथ केरल और लक्षद्वीप का महासचिव बनाया गया है। कुमारी शैलजा को उत्तराखंड का प्रभारी महासचिव बनाया गया।

16 सदस्यीय मैनिफेस्टो कमेटी भी बनाई, चिदंबरम अध्यक्ष

शनिवार को कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए मैनिफेस्टो कमेटी का गठन किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सीनियर लीडर पी चिदंबरम इसके अध्यक्ष बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव कमेटी के संयोजक (कन्वीनर) होंगे।

रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामला

ईडी ने तेजस्वी यादव को नया समन जारी किया

नई दिल्ली (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय ने 'रेलवे में नौकरी के बदले जमीन' घोटाला मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को एक नया समन जारी कर उन्हें पांच जनवरी 2024 को पेश होने को कहा है। इससे पहले, ईडी ने तेजस्वी (34) को 22 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। तेजस्वी के पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव (75) को इस मामले में 27 दिसंबर को दिल्ली में ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। यह कथित घोटाला उस समय का है जब लालू प्रसाद संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले कार्यकाल में रेल मंत्री थे। आरोप है कि 2004 से 2009 तक, भारतीय रेलवे के विभिन्न जोन में समूह 'डी' पदों पर कई व्यक्तियों को नियुक्त किया गया था और बदले में, इन व्यक्तियों ने अपनी जमीन लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को को हस्तांतरित की थी।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर कसा तंज

अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन धन कुछ लोगों के हाथों में

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन धन कुछ लोगों तक सीमित है और बेरोजगारी की समस्या एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत में यह भी कहा कि चुनाव लड़ने के लिए तटस्थ मीडिया, निष्पक्ष कानूनी प्रणाली, निष्पक्ष निर्वाचन आयोग, वित्तीय संसाधन तक पहुंच और तटस्थ संस्थानों की आवश्यकता होती है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने 15 दिसंबर को हुई बातचीत का एक वीडियो शनिवार को 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने इस बातचीत के दौरान पिछले 10 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा, जब आप आर्थिक विकास के बारे में बात करते हैं तो आपको यह सवाल पूछना होगा कि आर्थिक विकास किसके हित में है।

व्यापक चर्चा के बाद ही कोई फैसला होगा

सरकार कर्नाटक में हिजाब से पाबंदी हटाने पर अभी विचार कर रही : सीएम

बेंगलुरु (भाषा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को स्पष्टीकरण दिया कि सरकार अभी राज्य में शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगी रोक को हटाने पर विचार कर रही है और सरकार के स्तर पर विचार-विमर्श के बाद इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा। सिद्धरमैया ने यहां संवाददादातों से बातचीत में कहा, "हमने अभी ऐसा किया नहीं है (हिजाब पर रोक हटाना)। किसी ने मुझसे हिजाब पर रोक हटाने के बारे में सवाल किया था तो मैंने कहा कि सरकार इसे हटाने पर विचार कर रही है।" यह पूछे जाने पर कि क्या यह इसी शैक्षणिक सत्र में किया जाएगा, मुख्यमंत्री ने कहा कि चर्चा के बाद ये किया जाएगा। मुख्यमंत्री की तरफ से यह स्पष्टीकरण उनके उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर कोई प्रतिबंध नहीं है और उन्होंने कहा था कि पंसद के कपड़े पहनना और भोजन का चयन व्यक्तिगत मामला है। इस घोषणा के बाद से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस सरकार पर हमलावर हो गई थी।

आह्वान उपराष्ट्रपति ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम को किया संबोधित

भारतीय संस्कृति का तिरस्कार करने वाली ताकतों का प्रतिकार करें : जगदीप धनखड़

देहरादून (भाषा)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि देश में एक छोटा वर्ग है जिसके मन में भारत की पांच हजार साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत के प्रति कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति पर गर्व करने वालों को ऐसी ताकतों का प्रतिकार करना चाहिए। हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, " यह चिंता का विषय है कि देश में एक वर्ग है जिसके मन में भारत की पांच हजार साल पुरानी संस्कृति या इसके गौरवशाली अतीत के प्रति कोई सम्मान नहीं है, लेकिन यह वर्ग बहुत छोटा है। उनके मन में तिरस्कार का भाव है और वे देश की छवि खराब कर रहे हैं। वे या तो भ्रमित हैं या गुमराह हैं। ऐसे लोग उन लोगों द्वारा प्रतिकार के पात्र हैं जो अपनी संस्कृति और जड़ों पर गर्व करते हैं।" उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस 'महान देश' में कुछ गुमराह लोग हैं जो हाल के वर्षों में हुई प्रगति को पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा, " वे मातृ भाषा में समावेशी शिक्षा नीति के खिलाफ हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत में सारी शिक्षा मातृभाषा में दी जायेगी।" उपराष्ट्रपति ने गुरुकुल कांगड़ी (मानित) विश्वविद्यालय को भारतीय राष्ट्रवाद का केंद्र और इसके सांस्कृतिक लोकाचार के सार का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि कुछ पश्चिमी विश्वविद्यालय भारत की विकास यात्रा को धूमिल करने में लगे हुए हैं। उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय से इसका मुकाबला करने को आह्वान किया।

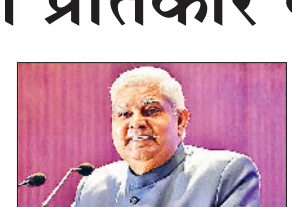

■ देश में एक छोटा वर्ग है जिसके मन में भारत की 5000 साल पुरानी सांस्कृतिक विरासत के प्रति कोई सम्मान नहीं

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

वर्ष 2023-24 के लिए
एससी तथा अन्यों हेतु मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत
विद्यालय शिक्षा हेतु अनुसूचित जाति तथा
अन्य लाभवंचित समूहों के
26 लाख छात्रों के लिए छात्रवृत्तियों की
घोषणा करता है।

पात्रता	कार्य क्षेत्र	हकदारी
घटक- I • एससी वर्ग से सम्बन्धित छात्र • माता-पिता / अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए	• मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 9 तथा कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र • लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा • सबसे गरीब परिवारों को प्राथमिकता	• प्रतिवर्ष 3500/- रुपए से 7000/- रुपए की अकादमिक भत्ता • दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता
घटक- II • सफाई तथा स्वास्थ्य के लिए खतरनाक व्यवसायों में कार्यरत माता-पिता/ अभिभावकों के छात्र • कोई आय सीमा पात्रता नहीं है।	• मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 1 से कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र • लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा • सबसे गरीब परिवारों को प्राथमिकता	• प्रतिवर्ष 3500/- रुपए से 8000/- रुपए की अकादमिक भत्ता • दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

- छात्रों को उनके सम्बन्धित राज्य छात्रवृत्ति पोर्टलों पर आवेदन करना होगा
- छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

- स्कीम के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड http://socialjustice.gov.in/schemes/23 पर उपलब्ध हैं।

cbc 38101/11/0056/2324

कानपुर आईआईटी में मंच पर भाषण देते वैज्ञानिक की मौत

प्रोफेसर समीर खांडेकर हार्टअटैक के कारण मंच पर गिर पड़े

खांडेकर के आखिरी शब्द थे...सेहत का ध्यान रखें

कानपुर(एजेंसी)। कानपुर आईआईटी के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. समीर खांडेकर नहीं रहे। शुक्रवार को मंच पर बोलते-बोलते उनको हार्टअटैक आया। वह मंच पर गिर पड़े। वहां बैठे लोगों को लगा कि वह भावुक हुए हैं। इसलिए बैठ गए। जब थोड़ी देर तक वह नहीं उठे तो लोगों ने भागकर उनको उठाया। आनन-फानन में हैलट के कॉर्डियोलाजी ले जाया गया। वहां जाच के बाद डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रो. खांडेकर आईआईटी कानपुर में एल्युमिनाई मीट को संबोधित कर रहे थे। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि वह सेहत को लेकर स्पीच दे रहे थे। उनके आखिरी शब्द थे...सेहत का ध्यान रखें। यह कहते ही उनके चेहरा पसीना-पसीना हो गया। तबीयत बिगड़ी और बेहोश हो गए।

- लोगों को लगा कि वे भावुक हो गए, इसलिए बैठ गए
- आईआईटी में एल्युमिनाई मीट संबोधित कर रहे थे

55 साल की उम्र थी

55 साल के प्रोफेसर खांडेकर आईआईटी कानपुर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक होने के साथ ही डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर के पद पर भी कार्यरत थे। परिवार में माता-पिता के अलावा उनकी पत्नी प्रद्यन्या खांडेकर और उनका बेटा प्रवाह खांडेकर हैं। प्रोफेसर समीर खांडेकर के परिवार में माता-पिता के अलावा उनकी पत्नी प्रद्यन्या खांडेकर और उनका बेटा प्रवाह खांडेकर हैं।

बेटे के आने के बाद अंतिम संस्कार

प्रो. खांडेकर का बेटा प्रवाह कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रहा है। उनके लौटने पर ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। अभी उनका शव संस्थान के हेल्थ सेंटर में रखा गया है। वह आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र भी थे। प्रो. खांडेकर के नाम पर 8 पेटेंट हैं।

जबलपुर में जन्मे: प्रो. खांडेकर का जन्म 10 नवंबर 1971 को जबलपुर में हुआ था। साल 2000 में आईआईटी कानपुर से बरटेक और जर्मनी से 2004 में पीएचडी की थी। इसके बाद 2004 में आईआईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर ज्वाइन किया। 2009 में एसोसिएट प्रोफेसर, 2014 से प्रोफेसर, 2020 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष बने। 2023 में उनको डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर पद की जिम्मेदारी मिली। प्रो. खांडेकर प्रो. एचसी वर्मा की ओर से चलाए जा रहे शिक्षा सोपान आश्रम से भी जुड़े हुए थे।

खबर संक्षेप

वाणिज्यिक पोत से नाविक लापता

मुंबई (भाषा)। मुंबई से करीब 11 मील दूर 'प्रोंग्स लाइटहाउस' से एमवी बून्या नारी नामक वाणिज्यिक पोत से एक नाविक के लापता होने की सूचना मिलने के कुछ घंटों बाद तटरक्षक बल ने शनिवार को शव बरामद किया। समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि उसने लापता नाविक का पता लगाने के लिए समुद्री-हवाई समन्वय के लिए आईसीजी चेतक 805 हेलीकॉप्टर और तटरक्षक जहाज सी439 को तैनात किया।

इजराइल हमले में अब तक 20 हजार की मौत

रफाह (एजेंसी)। चरमपंथी समूह हमास को खत्म करने के लिए गाजा में इजराइल की ओर से शुरू किए गए युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। गाजा के स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी। इजराइल ने गाजा में हमले और तेज कर दिए हैं तथा लाखों को घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया है। गाजा में होने वाली मौतें युद्ध से पहले की इस क्षेत्र की आबादी का एक प्रतिशत हैं।

जम्मू में 12वीं सदी की दुर्लभ मूर्तियां मिलीं

जम्मू (भाषा)। भगवान शिव और देवी इंद्राणी की मूर्तियों की 12वीं शताब्दी ईस्वी की एक जोड़ी यहां खुदाई में मिली है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि प्राचीन मूर्तियां जम्मू के बाहरी इलाके में भौर शिविर में खुदाई के दौरान मिलीं और बाद में उन्हें अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया।

चीन में भूकंप से मरने वालों की संख्या 148 हुई

बीजिंग (भाषा)। उत्तर पश्चिम चीन में इस सप्ताह की शुरुआत में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 148 हो गयी है। भूकंप से गांसू प्रांत सर्वाधिक प्रभावित हुआ है जहां कुल 117 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह भूकंप 18 दिसंबर की आधी रात को जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में आया था। यह पिछले नौ सालों में सबसे अधिक भीषण था।

34,000 ऑनलाइन खाते चीन ने बंद किए

बीजिंग (भाषा)। चीन में सुरक्षा अधिकारियों ने अफवाहें फैलाने के आरोप में 34,000 ऑनलाइन खातों को बंद कर दिया है और अप्रैल में शुरू की गई कार्रवाई के तहत अभी तक 6,300 से अधिक लोगों को दंड दिया है। जन सुरक्षा मंत्रालय के अधिकारी ली तोंग ने बताया कि 4,800 से अधिक केसों की जांच की गई व 6,300 से अधिक को सजा दी गई।

प्रख्यात संगीतकार राशिद की हालत नाजुक

कोलकाता (भाषा)। कोलकाता के एक अस्पताल में प्रोस्टेट कैंसर का उपचार करा रहे प्रख्यात संगीतकार उस्ताद राशिद खान की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारी ने बताया कि खान (55) को जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। अधिकारी ने बताया, "शुरू में इलाज की वजह से उनकी स्थिति बेहतर हो रही थी।

हूती विद्रोहियों पर शक! *हमले से जहाज पर लगी आग*

सऊदी अरब से भारत आ रहे पोत पर ड्रोन से हमला

नौसेना ने तैनात किया टोही विमान

21 भारतीयों समेत 22 क्रू मेंबर सवार

किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिंद महासागर में सऊदी से भारत आ रहे एक ऑयल वैसेल एमवी केम प्लूटो पर शनिवार को ड्रोन से हमला हुआ है। इसजहाज पर सवार चालक दल के 22 सदस्यों में 21 भारतीय हैं जबकि एक नेपाली नागरिक है। सैन्य सूत्रों और नौवहन एजेंसी ने यह जानकारी दी। वहीं, भारतीय सेना ने कोस्ट गार्ड के पैट्रोलिंग वैसेल आ ई सी जी ए स विक्रम को उस जगह के लिए रवाना कर दिया है, जहां हमला हुआ है। भारतीय नौसेना भी अलर्ट पर है। वॉरशिप भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

- जिस जहाज पर हमला हुआ, उसका नाम एमवी केम प्लूटो

मेंगलुरु जा रहा था

जहाज सऊदी अरब से मेंगलुरु जा रहा था। इसमें क्रूड ऑयल है। हमले में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन जहाज पर आग लग गई। इस आग पर काबू पा लिया गया है। लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज इजराइल से संबंधित बताया जा रहा है।

इजराइली जहाजों को हूतियों ने निशाना बनाया था: खुफिया रिपोर्ट

चार हफ्तों में 100 से ज्यादा हमले

- लाल सागर में जहाज पर हूती विद्रोहियों के हमले की प्लानिंग में ईरान का हाथ रहा हैः अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट
- *राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा कि लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ अभियान की योजना बनाने में ईरान से शामिल था।*
- हूती विद्रोहियों ने पिछले चार हफ्तो में लाल सागर से गुजरने वाले लगभग एक दर्जन वाणिज्यिक और व्यापारिक जहाजों के खिलाफ 100 से ज्यादा हमले किए।
- हूती जिन ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह भी ईरान की ओर से दिया गया है। अमेरिका ने इस सप्ताह दक्षिणी लाल सागर में सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से समुद्री गठबंधन ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्जियन शुरू किया।

विस्फोट के बाद लगी आग, किया गया काबू

जहाज ने आखिरी बार सऊदी अरब संपर्क किया था

आग से जहाज के काम करने की कैपेसिटी पर असर पड़ा है। ब्रिटिश मिलिट्री के मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने बताया कि जहाज भारत के पोरबंदर कोस्ट से करीब 200 समुद्री मील की दूरी पर था। हालांकि यह भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन से दूर था। फिलहाल किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। जहाज से आखिरी बार सऊदी अरब संपर्क किया गया था। इससे करीब एक महीने पहले हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक कर लिया था। यह जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाईजैक किया था। हाल में नौसेना ने एक अपहृत माल्टा ध्वज वाले मालवाहक जहाज से एक घायल नाविक को निकालने में मदद की थी, इसके कुछ दिन बाद ही आज यह जानकारी सामने आई है। दरअसल, अरब सागर में छह समुद्री डाकू अवैध रूप से जहाज एमवी रुएन पर चढ़ गए थे और उसका अपहरण कर लिया था।

मामले की जांच में जुटे अधिकारी: ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस और समुद्री सुरक्षा फर्म एंब्रे के मुताबिक, भारत के तट पर संदिग्ध हमले के कारण जहाज पर आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने कहा कि हमला अनक्रूड एरियल सिस्टम द्वारा किया गया था। फिलहाल, अधिकारी इस मामले की गहन जांच कर रहे है।

भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए

देश अब दूसरा 'गाल' आगे करने के मूड में नहीं: जयशंकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को लेकर बयान देते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करते समय भारत अब दूसरा गाल आगे करने के मूड में कतई नहीं है। देश आतंकवाद का सामना आजादी के बाद से ही कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद हमारी आजादी के समय ही शुरू हो गया था, जब तथाकथित हमलावर पाकिस्तान से आए थे। पहले दिन से ही हमने आतंकवाद का सामना किया है और यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें पूरी तरह क्लीयर होना चाहिए। अब हमें सबसे पहले जो करने की ज़रूरत है वह यह है कि हमें मुकाबला करने की ज़रूरत है। अब दूसरा गाल आगे करने का तरीका नहीं चलने वाला है। अगर कोई सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास कर रहा है तो आपको जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा मुंबई 26/11, मेरे लिए एक टर्निंग पॉइंट था।

अमेरिका के मंदिर में तोड़फोड़ पर विदेश मंत्री की टिप्पणी राष्ट्रीय रक्षा विवि के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

अमेरिका केहिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ पर एक्शन में भारत

अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ किए जाने पर भारत सख्त हो गया है। जयशंकर ने कहा कि किसी भी अराजक तत्व को इस तरह की आजादी नहीं दी जानी चाहिए। बता दें कि अमेरिकी हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के बाद खालिस्तानी नारे लिखे गए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस घटना की निंदा की है। जयशंकर ने अमेरिका स्थित एक मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने और उसमें तोड़फोड़ की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए।

पाकिस्तान में वांछित टीटीपी कमांडर ढेर

लाहौर (भाषा)। पाकिस्तान में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शनिवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का प्रमुख कमांडर मारा गया जो पंजाब प्रांत में इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) भवन पर घातक हमले सहित कई आतंकी हमलों में शामिल था। आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ आतंकी लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर चिनिओट इलाके में छिपे हुए हैं। सीटीडी ने पुलिस के साथ मिलकर शनिवार तड़के संबंधित ठिकाने पर छापा मारा। जब पुलिस ने ठिकाने को घेर लिया तो आतंकियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

भारतीयों को ले जा रहे विमान को फ्रांस में उतारा, भारत को मुलाकात की इजाजत मिली, मानव तस्करी का संदेह

पेरिस (भाषा)। भारतीयों समेत 303 लोगों को लेकर निकारागुआ जा रहे एक विमान को "मानव तस्करी" के संदेह में फ्रांस में उतारे जाने के बाद फ्रांस स्थित भारतीय दूतावास को अपने नागरिकों तक राजनयिक पहुंच मिल गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 303 यात्रियों को लेकर यह विमान निकारागुआ जा रहा था। फ्रांसीसी अधिकारियों ने "मानव तस्करी" के संदेह में बृहस्पतिवार को इसे अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय मीडिया ने फ्रांसीसी अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी। फ्रांस में स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "फ्रांसीसी अधिकारियों ने हमें सूचित किया कि दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 लोगों, जिनमें अधिकतर भारतीय मूल के लोग हैं, उन्हें एक फ्रांसीसी हवाई अड्डे पर विमान के तकनीकी पड़ाव के दौरान हिरासत में लिया गया है।

- सीमा पार से चार आतंकी कर रहे थे घुसपैठ

जम्मू में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, आतंकी मार गिराया

जम्मू(भाषा)। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने शनिवार तड़के यहां घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू में अखनूर के खौर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास शनिवार तड़के भारी हथियारों से लैस चार आतंकवादियों के एक समूह को सुरक्षाबलों ने भारतीय क्षेत्र की ओर घुसपैठ की कोशिश करते हुए देखा। सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों पर गोलीबारी की और उनमें से एक आतंकवादी को मार गिराया।

ऐसे पहचाने गए आतंकी

सेना की जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कोर' ने कहा कि 22 और 23 दिसंबर की दरमियानी रात निगरानी उपकरणों के माध्यम से आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि को देखा गया था। 'व्हाइट नाइट कोर' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'घुसपैठ की बड़ी कोशिश को नाकाम किया गया। आतंकवादियों को उनके एक सहयोगी के शव को आईबी के उस पार घसीटते हुए देखा गया।'

वीडियो क्लिप साझा की

रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक निगरानी उपकरण से रिकॉर्ड की गई एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें चार आतंकवादी अंधेरे की आड़ में पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते हुए नजर आ रहे हैं।

भारत में कोविड-19 के 752 नए मामले, चार मरीजों की मौत

नई दिल्ली (भाषा)। भारत में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 752 नए मामले दर्ज किए गए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,420 हो गई है। देश में 21 मई 2023 के बाद से एक दिन में सामने आए कोरोना वायरस संक्रमण के ये सबसे अधिक मामले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक सामने आए कोविड-19 के मामलों की कुल संख्या 4.50 करोड़ (4,50,07,964) है। देश में बीते 24 घंटे में संक्रमण से चार लोगों की मौत होने के कारण इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,33,332 हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में केरल में दो तथा राजस्थान और कर्नाटक में कोविड-19 से एक-एक मरीज की मौत हुई है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,71,212 हो गई है।

50 साल के अनुसंधान का नतीजा : नींद में मामूली खलल भी कर देता है पूरे दिन का मूड खराब

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

नींद में व्यवधान रोजमर्रा की घटनाओं पर हमारी प्रतिक्रिया को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। नींद की कमी और मनोदशा (मूड) पर 50 वर्षों तक किए गए अध्ययन के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक एक या दो रातें नींद बाधित होना, अधिक समय तक जगे रहना या कम नींद खुशी, उत्साह और संतुष्टि की भावना को क्षीण कर सकती है। इसके साथ ही यह भावनात्मक रूप से उत्तेजित करने वाली स्थितियों में उन्हें सुन्न कर सकता है। अमेरिका के ह्यूस्टन विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं ने अध्ययन में यह भी पाया कि नींद की दिनचर्या में इस तरह की गड़बड़ी से अनुसंधान में हिस्सा लेने वालों में चिंता के लक्षण बढ़ गए, जैसे कि हृदय गति तेज होना और व्याकुलता।

5,715 लोगों पर किया अध्ययन

अनुसंधान के ये नतीजे 154 अध्ययन में कुल 5,715 प्रतिभागियों के आंकड़ों के विश्लेषण से निकाले गए हैं। अमेरिका के मोंटाना स्टेट यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर और साइकोलॉजिकल बुलेटिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की सह-प्रथम लेखिका कारा पामर ने कहा कि बड़े पैमाने पर नींद से वंचित लोगों में व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए इस अनुसंधान के नतीजे काफी महत्वपूर्ण हैं।" उन्होंने कहा, " उद्योगों और कम नींद वाले क्षेत्रों में काम करने वालों को नींद की कमी होने का खतरा है। इसलिए पहले उत्तरदाताओं, पायलटों और ट्रक चालकों के लिए नीतियां बनानी और अपनानी चाहिए ताकि वे दिन के काम को कम करने के लिए नींद को प्राथमिकता दें।

चिंता के लक्षण बढ़ गए

पामर ने कहा कि अध्ययन आज तक प्रयोगात्मक नींद और भावना अनुसंधान का सबसे व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात का पुख्ता सबूत है कि नींद में व्यवधान से इनसान की भावनात्मक कार्यप्रणाली पर नकारात्मक असर पड़ता है। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि इन सभी 154 अध्ययनों में, वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों की एक या अधिक रातों की नींद में खलल डाला, या उन्हें अधिक समय तक जगाए रखा, या उन्हें सामान्य से कम सोने की अनुमति दी, या पूरी रात समय-समय पर जगाया गया। उन्होंने कहा कि पिछले अध्ययनों में से प्रत्येक ने नींद में बदलाव के बाद कम से कम एक भावना-संबंधी मानदंड को मापा, जैसे कि प्रतिभागियों की स्वयं-रिपोर्ट की गई मनोदशा, भावनात्मक उत्तेजनाओं के प्रति उनकी प्रतिक्रिया, और अवसाद और चिंता के लक्षणों के उपाय। अंतः अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि नींद में इस तरह के व्यवधान से प्रतिभागियों में खुशी और संतुष्टि जैसी सकारात्मक भावनाएं कम महसूस हुईं और चिंता के लक्षण बढ़ गए। अनुसंधानकर्ताओं ने पूर्व के अध्ययनों के आधार पर नतीजा निकाला कि 30 प्रतिशत से अधिक वयस्क और 90 प्रतिशत तक किशोर पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25